हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 8, अंकः 25, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 23 जुलाई, 2023 दिन रविवार | गाजीपुर/वाराणसी

जल्द गठित होगा शुकतीर्थ विकास परिषद, 'पिछली सरकारों में चोरी होते थे किसानों के इंजन' : योगी

सीएम ने जिले में 244 करोड़ रुपये की 77 परियोजनाओं का किया शिलान्यास

मुजफ्फरनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिजनौर के बाद मुजफ्फरनगर में शुकतीर्थ पहुंचे हैं। सीएम योगी अक्षय वट वृक्ष की परिक्रमा के बाद सभास्थल पर पहुंचे। इस दौरान सीएम योगी ने जिले में 244 करोड़ रुपये की 77 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। सीएम योगी ने तीर्थ में गंगा का पानी लाने की योजना का बटन दबाकर शुभारंभ किया। इस दौरान वीडियो के जरिए ले-आउट का प्रदर्शन किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री मंच पर पहुंच गए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जल्द ही शुकतीर्थ विकास परिषद का गठन होगा। तीर्थ विकास में कोई कसर बाकी नहीं रखी जाएगी। 2014 से पहले की सरकारों ने विकास पर ध्यान नहीं दिया। पहले की सरकारों ने आस्था का सम्मान नहीं किया। पलायन हो रहे थे और किसानों का भी सम्मान नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा की सरकार बनी है, विकास के नए आयाम स्थापित कर रही है। बेटियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने वाले रसातल में भेज दिए जाएंगे। सीएम योगी ने कहा कि विकास परिषद के गठन से तीर्थ क्षेत्र में विकास होगा। इस पर कार्य अंतिम चरण में चल रहा है और जल्दी घोषणा की जाएगी। भाजपा सरकार ने तीर्थ में गंगा का पानी लाने की पुरानी घोषणा को पूरा कर दिया है। जनप्रतिनिधियों की ओर से प्रस्तावित 244 करोड़ की 77 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। उन्होंने कहा कि वोट बैंक की चिंता करने वालों की सरकार में किसान सुरक्षित नहीं थे। जंगल से किसानों के इंजन चोरी कर दिए जाते थे। लेकिन भाजपा की डबल इंजन सरकार सर्व समाज को साथ लेकर चल रही है। सीएम ने प्रत्येक व्यक्ति को पौधरोपण के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि फलदार पौधे लगाने का मतलब मां के ऋण से उऋण होने जैसा है। प्रत्येक व्यक्ति एक पौधा जरूर लगाएं। 100 साल पुराने पौधों को विरासत वृक्ष के रूप में सहेजने का काम करें। सीएम योगी और मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शुकतीर्थ के स्वामी कल्याण देव हेलीपैड पर उतरे। इस दौरान भाजपा नेता और तीर्थ के संत ने उनका अभिनंदन किया। शुकदेव परिसर में पंचवटी वाटिका में पांच पौधों का रोपण कर मुख्यमंत्री सीधे शुकदेव आश्रम पहुंचे। इसके बाद ब्रह्मलीन संत के समाधि मंदिर पर पीठाधीश्वर स्वामी ओमानन्द महाराज के साथ श्रद्धांजलि अर्पित कर अक्षय वट की परिक्रमा और शुकदेव मंदिर में पूजन किया। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दौरे के लिए भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम में तीर्थ जीर्णोद्धारक, शिक्षा ऋषि वीतराग स्वामी कल्याणदेव के समाधि मंदिर को फूलों से सजाया गया था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने परिवार संग मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री शिंदे का परिवार भी उनके साथ मौजूद रहा। इस मुलाकात की तस्वीरें सामने आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर में एकनाथ शिंदे के साथ ही उनके पिता संभाजी शिंदे, पत्नी लता शिंदे, बेटा श्रीकांत शिंदे, बहू रुषाली शिंदे और पोता रुद्राक्ष शिंदे मौजूद हैं। इस मुलाकात के बाद एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया भी सामने आई। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा, आज मेरी प्रधानमंत्री मोदी के साथ मुलाकात हुई है। इस दौरान मेरा पूरा परिवार मेरे साथ था। प्रधानमंत्री ने इस समीक्षा बैठक में बहुत समय दिया, इसके लिए मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं। इस दौरान राज्य में शुरू हुई प्रकल्प (परियोजनाओं) पर बात हुई। इसके अलावा बारिश और इरशालवाड़ी की घटना समेत कई बातों पर चर्चा हुई। मुंबई के अलावा राज्य के अन्य हिस्सों में भी भारी बारिश हुई, जिसकी वजह से निचले इलाके जलमग्न हो गए और लोकल ट्रेनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। हाल ही में मुख्यमंत्री शिंदे ने मुंबई और पड़ोसी क्षेत्र में स्थित सरकारी दफ्तरों को जल्दी बंद करने का निर्देश दिया था ताकि कर्मचारियों और अधिकारियों को घर पहुंचने में अतरिक्त समय मिल सके।

'घटना के दोषियों पर हो कार्रवाई, पीड़ितों को मिले सहायता' मेघालय महिला आयोग ने की सरकार से मांग

शिलांग। मेघालय राज्य महिला आयोग ने शनिवार को केंद्र और मणिपुर सरकार से जातीय संघर्षग्रस्त राज्य में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया। आयोग ने मणिपुर में संबंधित अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने की भी अपील की कि वहां जातीय संघर्ष के सभी पीड़ितों को आवश्यक सहायता और पुनर्वास दिया जाए। आयोग ने एक बयान में कहा, "हम केंद्र और मणिपुर सरकार से मानवीय क्रूरता के भयानक कृत्य में शामिल लोगों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह करते हैं, जिससे देश की हर महिला और बच्चे की गरिमा और सुरक्षा को खतरा है।"

महिला की गरिमा पर हमला स्वीकार्य नहीं- मेघालय महिला आयोग ने यह भी कहा कि लोकतंत्र में किसी महिला की गरिमा पर कोई भी हमला स्वीकार्य नहीं है। आयोग ने कहा कि हम मानवाधिकारों, खासकर अल्पसंख्यकों और कमजोर लोगों के अधिकारों के इस घोर उल्लंघन को देखकर दुखी हैं।

मणिपुर वायरल वीडियो से देशभर में आक्रोश- गौरतलब है कि इस घटना से देशभर में आक्रोश फैल गया है। मणिपुर पुलिस ने 19 जुलाई को सामने आए उस वीडियो के सिलसिले में पांचवें आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जिसमें भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाते हुए दिखाया गया है। महिला संगठन ने घटना का संज्ञान लेने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और सुप्रीम कोर्ट का आभार व्यक्त किया।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार को दिया निर्देश- सुप्रीम कोर्ट ने घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए गुरुवार को कहा कि हिंसा को अंजाम देने के लिए महिलाओं को साधन के रूप में इस्तेमाल करना संवैधानिक लोकतंत्र में बिल्कुल अस्वीकार्य है। वीडियो पर संज्ञान लेते हुए मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र और मणिपुर सरकार को तत्काल उपचारात्मक, पुनर्वास और निवारक कदम उठाने और की गई कार्रवाई से अवगत कराने का निर्देश दिया।

मणिपुर में तीन मई से शुरू हुई हिंसा- मणिपुर में तीन मई से इम्फाल घाटी में केंद्रित बहुसंख्यक मैती समुदाय और पहाड़ियों पर कब्जा करने वाले आदिवासी कुकी के बीच जातीय झड़पें हो रही हैं। मई की शुरूआत में राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोगों की जान चली गई है और कई लोग घायल हुए हैं। यह हिंसा तब शुरू हुई, जब मैती समुदाय की अनुसूचित जनजाति (एसटी) की स्थिति की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किया गया था।

सीआईए चीफ का दावा- वैगनर प्रमुख प्रिगोझिन से बदला लेने के लिए मौके की तलाश कर रहे व्लादिमीर पुतिन

वाशिंगटन। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पिछले महीने हुए अल्पकालिक सैन्य विद्रोह को लेकर वैगनर प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन से बदला लेने के लिए समय की तलाश कर रहे हैं। यह दावा अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के निदेशक विलियम बर्न्स ने किया है। विलियम बर्न्स ने आगे कहा कि भाड़े के समूह के विद्रोह ने मास्को की कमजोरियों को सबके सामने लाया है। विलियम बर्न्स ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन की छवि काफी सावधानी से गढ़ी गई है और यह आने वाला समय बताएगा कि रूसी राष्ट्रपति को अपने कार्यों के लिए आगे प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि येवगेनी प्रिगोझिन और वैगनर समूह के खिलाफ आरोप बेलारूसी नेता अलेक्जेंडर लुकाशेंको द्वारा कराए गए एक समझौते के तहत हटा दिए गए हैं, जिसके बाद उन्हें बेलारूस में स्थानांतरित होना पड़ा। हालांकि, वैगनर समूह के नेता प्रिगोझिन को उनके विद्रोह के अंत के बाद से आधिकारिक तौर पर नहीं देखा गया है, लेकिन एक वीडियो सामने आया है जो बेलारूस में फिल्माया गया प्रतीत होता है। विलियम बर्न्स ने कहा, येवगेनी प्रिगोझिन के विद्रोह से पुतिन द्वारा बनाई गई व्यवस्था की कमजोरियां उजागर हुईं। हालांकि, ये कमजोरियां यूक्रेन में शुरू किए गए विनाशकारी और अत्यधिक विनाशकारी युद्ध से पहले ही उजागर हो चुकी थीं। उन्होंने दावा किया कि युद्ध के बारे में वैगनर प्रमुख की आलोचना रूसियों के बीच और अधिक तेजी से फैल जाएगी, क्योंकि कीव युद्ध में प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा, इसका मतलब यह है कि अगर यूक्रेनियन युद्ध के मैदान में आगे बढ़ते हैं, तो मुझे लगता है कि इससे अभिजात वर्ग और अभिजात वर्ग के बाहर अधिक से अधिक रूसियों को युद्ध की प्रिगोझिन की आलोचना पर ध्यान देने के लिए प्रेरित किया जाएगा। इसी को लेकर पुतिन समय की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि वह विचार कर रहे हैं कि वैगनर के साथ क्या करना है और खुद प्रिगोझिन के साथ क्या करना है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कि क्या वैगनर समूह के प्रमुख खतरे में हैं, जैसा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सुझाव दिया था, विलियम बर्न्स ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन 'कर्ज उतारने के परम दूत हैं'। उन्होंने कहा, "इसलिए मुझे आश्चर्य होगा अगर प्रिगोझिन अपने किए के लिए आगे प्रतिशोध से बच जाएं। तो उस अर्थ में बाइडन सही हैं, कि मैं अपने भोजन चखने वाले को नौकरी से नहीं निकालूंगा।"

मणिपुर घटना में पांचवां आरोपी गिरफ्तार पुलिस ने दुष्कर्म, हत्या का केस दर्ज किया

इंफाल। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने और सामूहिक दुष्कर्म के मामले पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस तरह मणिपुर घटना में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इससे पहले पुलिस ने 20 जुलाई को चार आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मणिपुर पुलिस ने शनिवार को बताया कि महीने भर पुरानी वायरल वीडियो मामले में यह पांचवी गिरफ्तारी है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए हर संभव कोशिश की जा रही है और आरोपियों के संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना मणिपुर के थाउबल जिले में चार मई को घटी, जहां महिलाओं को अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। पुलिस ने इस मामले में अपहरण, सामूहिक दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज किया है। बता दें कि मणिपुर में मैतई समुदाय जनजातीय आरक्षण की मांग कर रहा है।

भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 26 हुई, सर्च ऑपरेशन जारी, यवतमाल में दीवार गिरने से दो की गई जान

मुंबई। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के इरशालवाड़ी गांव में खोज और बचाव अभियान शनिवार को तीसरे दिन भी जारी है। यहां भारी भूस्खलन की वजह मरने वालों की संख्या शनिवार को 26 तक पहुंच गई, जबकि 82 ग्रामीणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और उनके लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुंबई से लगभग 80 किमी दूर स्थित खालापुर तहसील के अंतर्गत एक पहाड़ी ढलान पर स्थित आदिवासी गांव में बुधवार रात को भूस्खलन हुआ था। वहीं, महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र के यवतमाल में लगातार बारिश के कारण गंभीर जलजमाव हो गया है। क्षेत्र में लगातार बारिश के कारण यवतमाल में घर और सड़कें पानी में डूब गईं हैं। नागपुर के रक्षा प्रवक्ता विंग कमांडर रत्नाकर सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन की मांग के आधार पर यवतमाल जिले में बाढ़ के कारण फंसे 40 लोगों को निकालने के लिए नागपुर से एक एमआई-17 वी5 हेलीकॉप्टर भेजा जा रहा है। यवतमाल के जिलाधिकारी अमोल येदगे ने कहा कि यवतमाल के महागांव में बाढ़ में फंसे लोगों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर से निकाला जाएगा। मौसम में सुधार के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया जाएगा। यवतमाल जिले में एक घर की दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई है। एसडीआरएफ द्वारा पांच अलग-अलग स्थानों पर बचाव अभियान जारी है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के इरशालवाड़ी गांव से खोज और बचाव दल ने शनिवार को मलबे से चार और शव बरामद किए। जिसके बाद भूस्खलन से मरने वालों

की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के अधिकारी ने कहा, दिन के दौरान तीन महिलाओं और एक पुरुष के शव बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि जिन मृतकों के शव शनिवार को बरामद किए गए उनकी पहचान माही मधु तिरकड़ (32), आशी पांडुरंग (50), भारती मधु भुटाबरा (18) और किशन तिरकड़ (27) के रूप में हुई है। मृतकों में 10 पुरुष, 12 महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि इस आपदा में एक ही परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, एनडीआरएफ और अन्य सरकारी एजेंसियों द्वारा खोज और बचाव अभियान शनिवार सुबह तीसरे दिन फिर से शुरू किया गया। एनडीआरएफ के एक अधिकारी ने बताया कि भारी बारिश के कारण शुक्रवार शाम करीब छह बजे तलाशी अभियान रोक दिया गया था। उन्होंने कहा, एनडीआरएफ की चार टीमों और अन्य एजेंसियों ने शनिवार सुबह ऑपरेशन फिर से शुरू किया। पहाड़ी ढलान पर स्थित गांव के 48 में से कम से कम 17 घर पूरी तरह या आंशिक रूप से भूस्खलन के मलबे के नीचे दब गए हैं। रायगढ़ जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय के अनुसार, गांव के 229 निवासियों में से 26 की मृत्यु हो गई, 10 घायल हैं और 111 सुरक्षित हैं, जबकि 82 लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है और उनके लिए खोज एवं बचाव अभियान जारी है। हालांकि, बताया जा रहा है कि उनमें से कुछ लोग एक शादी में शामिल होने के लिए गांव से बाहर गए थे, जबकि कुछ घटना के समय धान की रोपाई के काम से बाहर थे।

संपादकीय

सामंती संस्कार सभ्य समाज पर धब्बा

घरेलू सहायकों-सहायिकाओं के प्रति आज भी बहुत सारे लोगों का व्यवहार सामंती जमाने वाला ही देखा जाता है, जब उन्हें नौकर मान कर छोटी-छोटी बातों पर प्रताड़ित करना अपना अधिकार समझा जाता था। मगर यह मानसिकता जब पढ़े-लिखे, अच्छे पदों पर काम करने वाले, समाज के संभ्रांत माने जाने वाले लोगों में प्रकट होती है, तो समाज के सभ्य होने पर स्वाभाविक ही सवाल उठने लगता है। ताजा घटना दिल्ली के एक संभ्रांत माने जाने वाले इलाके की है, जिसमें हवाई जहाज उड़ाने वाली एक महिला और एक निजी विमान कंपनी में कर्मी उसके पति के अपनी घरेलू सहायिका को पीटने का तथ्य उजागर हुआ। वे मामूली बातों पर उसे पीटा करते थे। जब यह व्यवहार अपनी हदें पार गया और घरेलू सहायिका के रिश्तेदारों को इसकी सूचना मिली तो उन्होंने मालिक पति-पत्नी को सरेआम पीटा। ऐसी कई घटनाएं पहले भी सामने आ चुकी हैं। कुछ में तो मालिक क्रूरता की इस हद तक पहुंचते देखे गए, जब उन्होंने किसी मामूली गलती पर अपने घरेलू सहायक को सिगरेट से दाग दिया। गुरुग्राम की एक रिहाइशी इमारत में कुछ अरब नागरिक लंबे समय तक अपनी सहायिका का यौन शोषण करते और उसे मारते-पीटते रहे। घरेलू सहायक लोग इसलिए रखते हैं कि वे उनके कामकाज में मदद करेंगे। मगर बहुत सारे लोग खुद को उनका मालिक समझ कर उन्हें प्रताड़ित करने का जैसे हक हासिल कर लेते हैं। कई लोग तो घरेलू सहायक अपने गांव से लाते हैं या किसी परिचित के जरिए उन्हें मंगा लेते हैं। उनका पुलिस में पंजीकरण भी नहीं कराते, जबकि नियम के मुताबिक बिना पंजीकरण के घरेलू सहायक नहीं रखा जाना चाहिए। कई लोग घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाली एजंसियों के माध्यम से उन्हें काम पर रखते हैं। ऐसे सहायकों के पास एक सहारा होता है कि वे अपने खिलाफ होने वाली ज्यादतियों की शिकायत संबंधित एजंसी से कर सकते हैं। बहुत सारी ऐसी एजंसियां घरेलू सहायकों को प्रशिक्षण देकर उन्हें घरों में काम कर लगाती हैं, वे उनके बारे में जानकारी भी लेती रहती हैं। मगर बहुत सारी एजंसियां अपना कमीशन पा जाने के बाद जैसे उन घरेलू सहायकों की सुध लेना ही भूल जाती हैं। अगर कभी कोई सहायक अपने साथ होने वाले दुर्व्यवहार की शिकायत करता भी है, तो वे उसे समझा-बुझा कर सहन करने की सीख देतीं या फिर चुप्पी साध जाती हैं। ऐसे में घरेलू सहायक यातना सहने को मजबूर होते हैं। देश के कई हिस्सों में, जहां अतिशय गरीबी है, वहां से लड़के-लड़कियां घरेलू सहायक के रूप में काम करने के मकसद से महानगरों में आ जाते हैं। आदिवासी इलाकों से ऐसी भी शिकायतें बहुतायत में हैं कि कुछ एजंट उनकी लड़कियों को काम दिलाने के नाम पर ले आते हैं और फिर उन्हें घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाली एजंसियों के हवाले करके गायब हो जाते हैं। ऐसे में बहुत सारी लड़कियों के बारे में उनके माता-पिता को पता भी नहीं चल पाता कि वे कहां हैं, क्या काम कर रही हैं। ऐसी लड़कियां अक्सर शोषण का शिकार होती हैं। दिल्ली में घरेलू सहायक उपलब्ध कराने वाली एजंसियां हर मुहल्ले में मिल जाएंगी, मगर उन पर नजर रखने का कोई तंत्र आज तक नहीं बन पाया है। जब तक घरेलू सहायक रखने को लेकर कड़े नियम-कानून नहीं बनते, कोई पुख्ता तंत्र विकसित नहीं होता, तब तक उनके साथ ऐसी घटनाओं पर रोक लगने का दावा नहीं किया जा सकता।

खींचतान है जारी !

बन गई सरकार लेकिन ।
खींचतान है जारी ।।
मनमुटाव बढ़ रहा ।
तुम्हारी या हमारी ।।
आम चुनाव सर पर है ।
ना है उधर ध्यान ।।
चल रहा है द्वंद ।
कौन है महान ?
आपस की तकरार ये ।
करती पैदा अड़चन ।।
हुई बात पुरानी ।
पहुंच रही है जन जन ।।
एकता के खातिर ।
करना कुछ उपाय ।।
लेकिन समझ आपसी ।
है होनी सहाय ।।

–कृष्णेन्द्र राय

मणिपुर में महिलाओं से दरिंदगी पर दिल्ली से दो टूक सवाल?

कमलेश पांडे

राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील पूर्वोत्तर के सात बहन राज्यों में से एक अहम राज्य मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना सामने आने के बाद अब सारा देश आक्रोशित हो उठा है। सरकार और विपक्ष से लेकर उच्चतम न्यायालय तक ने इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। सबने इसे देश को शर्मसार करने वाली घटना बताया है। लेकिन यहां पर सबसे बड़ा और सुलगता हुआ सवाल यह है कि क्या हमारे जनप्रतिनिधिगण और सर्वोच्च न्यायालय के मुखिया इसी शर्मसार कर देने वाली 'हृदयविदारक' घटना का बेसब्री पूर्वक इंतजार कर रहे थे!

सवाल यह भी है कि क्या इससे पूर्व इस देश के विभिन्न राज्यों में इससे भी ज्यादा बड़ी और दिल दहला देने वाली लोमहर्षक व रोमहर्षक घटनाएं नहीं हुई हैं? और यदि हुई हैं तो फिर उसके बाद हमारे जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका क्या रही है, न्यायालय ने उन घटनाओं को कानून की कसौटी पर कैसे लिया है और स्वतः संज्ञान लेते हुए या फिर दर्ज मामलों के दोषियों को क्या सजा मुकर्रर की गई है, इस बारे में देशवासियों को जानने का पूरा हक है। इसलिए इस मसले पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को एक श्वेतपत्र जारी करना चाहिए। अखबारों और अन्य मीडिया माध्यमों में विज्ञापन जारी करके देश को बताना चाहिए, कि उसने किस मामले में कितनी सख्त दंडात्मक कार्रवाई की है और यदि नहीं कर पाई तो उसका कारण क्या रहा है? इस बात में कोई दो राय नहीं कि 'नारी अस्मिता' से खेलने की इजाजत किसी को भी नहीं दी जा सकती और ऐसा करने वालों को सख्त से सख्त सजा अविलम्ब देनी चाहिए। लेकिन हमें यह कदापि नहीं भूलना चाहिए कि राजनीतिक, प्रशासनिक व अन्य कारणों से जबतक हमलोग 'मानवीय अस्मिताओं' को रौंदने वालों को क्षमा करते रहेंगे, तबतक ऐसी अप्रत्याशित घटनाएं अपनी प्रकृति बदल बदल कर सामने आती रहेंगी! और यह सभ्य समाज कुछ दिन तक हायतौबा मचाने के बाद पुनः उसी ढर्रे पर लौट जाएगा, जो इस देश की एक आदिम प्रवृति समझी जाती है।

लिहाजा, आज आजादी के अमृत कालखण्ड की सबसे बड़ी जरूरत है कि संवैधानिक कारणों से पैदा हुए सामाजिक असंतोष की शिनाख्त की जाए और उसे भड़काने वाले सियासतदानों, प्रशासनिक अधिकारियों, न्यायविदों और मीडिया प्रमुखों की स्पष्ट पहचान की जाए और समान रूप से उनकी पात्रताएँ निरस्त की जाएं, क्योंकि देश की सभी अप्रत्याशित घटनाओं के पीछे इनकी प्रत्यक्ष या परोक्ष भूमिका अक्सर संदिग्ध पाई जाती हैं! चाहे यह बात उन्हें पता हो या न हो, पर पब्लिक डोमेन में उनकी भूमिकाओं पर चर्चाएं होती रहती हैं। शायद संवैधानिक रूप से विभाजित किए हुए समाज का यह विकृत असर हो। मुझे यहां पर यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि हमारे संविधान निमार्ता अव्वल दर्जे के 'कालिदास' (महामूर्ख!) निकले, जिन्होंने समान मताधिकार से इतर जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र और लिंग के आधार पर हुई अपनी नुमाइंदगी को परिपुष्ट करते हुए जिन जिन विषमता मूलक वैचारिक विष-पौध (आरक्षण, अल्पसंख्यक आदि) का प्रतिरोपण किया, वो 75 साल बाद विशालकाय विष-वृक्ष बनकर हमारे सामाजिक और साम्प्रदायिक सौहार्द को ललकार रही हैं। .....और हम इतने नाकाबिल हो चुके हैं कि उन्हें रोकने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं, बल्कि सिर्फ घड़ियाली आंसू ही बहा पाने में सक्षम प्रतीत हो रहे हैं!

इसलिये आज 'मर्माहत राष्ट्र' की पुकार है कि 'बहुमत आधारित लोकतंत्र' को समाप्त किया जाए और 'सर्वसम्मति वाले लोकतंत्र' को बढ़ावा दिया जाए, प्रशासनिक रूप से अनियंत्रित होते जा रहे इस देश व समाज को नियंत्रित किया जा सके। जातीय, सांप्रदायिक व चुनावी हिंसा-प्रतिहिंसा को

घटनाओं को थामा जा सके। हमारे राजनीतिक संस्थाओं, प्रशासनिक संस्थाओं, न्यायिक संस्थाओं और मीडिया प्रतिष्ठानों के साथ साथ बाजारू व कारोबारी घरानों को इतना काबिल बनाया जा सके कि वह संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के बजाय राष्ट्र के व्यापक हित में और हरेक भारतीय के दूरगामी हित में संवैधानिक हल ढूंढें।

यदि वो जरूरत महसूस करें तो संवैधानिक संशोधन करवाने का माहौल बनाएं और वैसे हरेक संवैधानिक अनुच्छेद या उपबन्ध को तिलांजलि दे दें, जो दूसरे भारतीयों का हक किसी भी रूप में छिनता हो या उसे चिढ़ाता आया हो। क्योंकि आज स्थिति इसलिए दिन ब दिन जटिल होती जा रही है कि विधि व्यवस्था व प्रशासनिक व्यवस्था के सवाल को भी यह तंत्र राजनैतिक नजरिये से देखने का आदि हो चुका है, जिससे समाज के बहुसंख्यक लोगों का तो भला हो जा रहा है, लेकिन अल्पसंख्यक लोगों का उत्पीड़न आम बात हो चली है। यहां पर अल्पसंख्यक शब्द का अर्थ किसी धर्म से नहीं बल्कि गांव-मोहल्ले या क्षेत्रीय संख्याबल में कमी से है और उनकी रक्षा करने में प्रशासनिक विफलता ही तमाम विरोधाभासों के बढ़ने की मौलिक वजह है। इसके उलट हर क्षेत्र में संख्या बल में कम पर आर्थिक और बौद्धिक रूप से संपन्न एक शातिर जमात मिलती है, जो पर्दे के पीछे से ऐसे घिनौने खेल खेलती आई हैं, जिन पर सहसा कोई विश्वास नहीं कर सकता! सच कहूं तो ऐसे लोग निजी स्वार्थ के लिए आपराधिक प्रवृत्ति के लोग पैदा करते हैं, उन्हें संरक्षण देते हैं। मेरी राय में इनकी शिनाख्त करने और ऐसे तत्वों को सजा दिलाने में स्थानीय प्रशासन की बहुत बड़ी जवाबदेही होती है। हालांकि, चर्चा जनित अनुभव यह बताता है कि राजनीतिक व अन्य कारणों से प्रशासन भी यहां पर विवेकसम्मत कार्रवाई करने के अपने मौलिक दायित्व से जी चुराता है। यही वजह है कि जब छोटी छोटी चीजें उग्र जनसमर्थन पाकर विकराल रूप धारण कर लेती हैं, तो हमारा प्रशासन भी उसे मॉब लिंचिंग बताकर अपना पल्ला झाड़ लेता है। इसलिए जब तक यह लोकतंत्र जनप्रतिनिधिक, प्रशासनिक, न्यायिक और मीडिया की जवाबदेही को सुनिश्चित नहीं करेगा, हरेक प्रकरण को निबटाने के लिए समयावधि सुनिश्चित नहीं करेगा, तबतक सुख-शांति भरे समाज को स्थापित करना मुश्किल है, जो कि भारत कहलाने की पहली शर्त समझी जाती है।

दो टूक शब्दों में कहें तो घटना छोटी हो या बड़ी, उसे कभी भी राजनीतिक नजरिए से नहीं देखना चाहिए, बल्कि उसे प्रशासनिक नजरिए से आंकना चाहिए। विधि व्यवस्था भंग होने के बाद सम्बन्धित घटना के दोषी कौन लोग हैं और उन्हें संरक्षण कौन लोग दे रहे हैं, इसकी स्पष्ट प्रशासनिक पड़ताल होनी चाहिए, और दोषियों व उनके प्रोत्साहकों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित होनी चाहिए, अन्यथा बदमाशी की प्रवृत्ति वाले लोगों के मनोबल बढ़ेंगे और वो देर सबेर सामाजिक अशांति के ही कारक बनेंगे।इसलिए सरकार को खुद सोचना चाहिए कि यहां पर प्रस्तुत नजरिए की पृष्ठभूमि में उसकी उपलब्धि क्या है, यदि नहीं है तो फिर क्यों नहीं है, यह यक्ष प्रश्न है! हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय की एक सराहनीय टिप्पणी आई है कि पत्रकार होना कानून तोड़ने के लिए लाइसेंस मिलना नहीं है। इसी के दृष्टिगत उसे जनप्रतिनिधियों या उनके शागिर्दों को भी यह सख्त सन्देश दे देना चाहिए कि राजनीतिक दलों के सदस्य होना या निर्वाचित जनप्रतिनिधिगण होना या उनसे जुड़ा होना, अपने सियासी विरोधियों को कुचलने का लाइसेंस नहीं है और ऐसे मामलों में सत्ता पक्ष के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के लिए विपक्ष के शासन के आने का इंतजार नहीं किया जाएगा, बल्कि कानून अपना काम करेगा। वहीं, ऐसे विवादों में यदि कार्यपालिका से जुड़े लोगों की लापरवाही या मिलीभगत सामने आती है तो ऐसे लोगों को हमेशा के लिए उनके पद से बर्खास्त कर दिया जाएगा। इससे कम की कोई भी सजा नहीं होगी!

पेड़ों का साथ रहे

अमिताभ स.

इस तरह के दृश्यों के पास होना इस लिहाज से खुशकिस्मती है कि आते-जाते तपती लू के थपेड़ों के बीच भी आंखों को सुकून मिलता रहता है। पेड़ों और फूलों का साथ वाकई कई तरह से शानदार और यादगार होता है। घनी आबादी वाली गलियों में घर हो और उसके पास पीपल का एक विशाल पेड़ हो और पड़ोस में नीम। इसका सुख ऐसी जगह पर रह कर ही महसूस किया जा सकता है।

पतझड़ के अलावा आए दिन हवाओं और आंधियों से पत्ते झड़-झड़ के छतों पर गिरना कुदरत का सान्निध्य देता है। ऐसे माहौल में गर्मी के मौसम की रात छत पर सोने का अनुभव जिनके पास हो, उनसे झर-झर हवा के झोंकों का आनंद पूछा जा सकता है। सुबह नीम से ताजा टहनी तोड़ कर दातून करने पर मुंह का तरोताजा होना। सावन के दौरान इनके तनों के सहारे पींगें डाल ली जाती थीं। हर शाम गली के सारे बच्चे पींगें झूलने खिंचे आते। झूले और पींगें पेड़ों की खूबसूरती को चार चांद लगा ही देते। बचपन में स्कूल के प्राथमिक विभाग की इमारत के बीचोंबीच खासा-बड़ा

छतरीनुमा गुलमोहर का पेड़ सजा था। अमूमन अप्रैल, मई, जून और कभी-कभी जुलाई में भी गाढ़े लाल-नारंगी रंग के फूलों की चादर ओढ़ लेता था। फूल झड़ते तो हरी-हरी बारीक पत्तियां जुड़-जुड़ कर बने झालरनुमा पत्ते छा जाते। रोज सुबह इसी की छांव तले प्रार्थना सभा आयोजित होती थी। झर-झर गिरते हल्के-मुलायम फूल किसी के लिए भी एक दिलकश नजारे से कम नहीं था। किसी का मन ही नहीं करता था कि ऐसे नजारे को छोड़ कर कक्षा में जाए। आधी छुट्टी की घंटी बजती तो बच्चे अपना टिफिन लेकर फिर गुलमोहर तले चले जाते। बहती हवाएं स्वर्ग के झूले-सी प्रतीत होती थीं। पता नहीं क्यों, लेकिन गुलमोहर को फ्रांसीसियों ने सबसे प्यारा नाम दिया है। उनकी भाषा में यह ह्यस्वर्ग का फूलह्ण कहलाता है। अर्से बाद इस साल फिर आसपास के घरों के आंगन में गुलमोहर के पेड़ पर फूल खिले दिखे। किसी ने सही फरमाया है कि भविष्य सदा हरा होना चाहिए। हरा और हरियाली हैं ही खुशहाली के मिजाज। रोजमर्रा के तनाव में भी सुकून से लबालब करने के लिए कुदरत ने पेड़ों-फूलों के रूप में आसपास हरे-भरे विविध रंग बिखेरे हैं। कौन नहीं जानता कि इंसान समेत सभी जीवों को पेड़ों से बेशुमार फायदे हैं। वे आबोहवा को साफ-स्वच्छ रखते हैं। आते-जाते छाया और शीतल हवा मुहैया कराते हैं। पशु- पक्षियों और कीट-पतंगों के खानपान के जनक और बसेरे बनते हैं। भूमि को उपजाऊ बनाए रखते हैं। ध्वनि प्रदूषण घटाते हैं। बारिश के पानी के बहाव को रोकते हैं, जिससे भूजल या कहें भूतल जल सुचारु रूप से नियमन होता है। और सबसे ऊपर सुकून नवाजते हैं। नतीजतन मानसिक तनाव छूमंतर हो जाता है, जिसे रुपए-पैसे में नहीं नापा और खरीदा जा सकता। इसे ऐसे समझा जा सकता है। किसी डाक्टर ने अस्पताल से छुट्टी देते वक्त अपने मरीज से कहा कि आपको दुरुस्त होने में 1,44,000 लीटर आक्सीजन की खपत हुई है। साथ ही खाने-पीने की हिदायत के साथ जोड़ा, ह्य ह्वइसलिए घर जाकर कम से कम दस पेड़ जरूर उगाइएह्ण हालांकि जीवन के लिए सभी किस्म के पेड़ फायदेमंद हैं, लेकिन पीपल के पेड़ की बात ही कुछ और है, क्योंकि विज्ञान बताता है कि पीपल के पेड़ सबसे ज्यादा कार्बन डाइआक्साइड सोखते हैं और बदले में सबसे ज्यादा आक्सीजन छोड़ते हैं। इससे भी बड़ी खासियत है कि यह सिलसिला लगातार चौबीस घंटे जारी रखते हैं। और फिर पेड़ों से सबसे अधिक लाभ तो आक्सीजन के बड़े कुदरती स्रोत के चलते ही है। पीपल के बाद बरगद और फिर नीम के पेड़ क्रमवार सर्वाधिक कार्बन डाइआक्साइड ग्रहण करते हैं और सबसे ज्यादा आक्सीजन छोड़ते हैं।

जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना पड़री में सुनी गयी जन समस्याएं

प्रखर मिजार्पुर। शासन के मंशानुरूप समस्याओं के त्वरित निस्तारण हेतु जनपद के सभी थानों/कोतावाली में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्र के द्वारा थाना पड़री में आये हुये फरियादियों की जन समस्याओं को सुना गया तथा त्वरित निस्तारण हेतु मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि आय, जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिये किसी भी लेखपाल के द्वारा पैसा मांगे जाने की शिकायत पर सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल द्वारा थाना पड़री में आये हुये फरियादियों की जन समस्याओं को सुना गया तथा उपस्थित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिये गयें। उन्होने कहा कि प्राप्त सभी शिकायतों का रजिस्टर पर सूचीबद्ध किया जाय तथा फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुये समय सीमा के अन्तर्गत निस्तारण करे, निस्तारण में गलत रिपोर्टिंग अथवा लापरवाही पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। इस अवसर पर थाना पड़री में जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के द्वारा वृक्षारोपण भी किया गया। थाना समाधान दिवस में प्राप्त प्रार्थना पत्र यथा- थाना को0कटरा पर 08 प्रार्थना पत्र प्राप्त निस्तारित 02, थाना विन्ध्याचल पर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त 07 निस्तारित, थाना को0देहात पर 50 प्रार्थना पत्र प्राप्त 02 निस्तारित, थाना चील्ह पर 01 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना कछवां पर 10 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना पड़री पर 14 प्रार्थना पत्र प्राप्त 04 निस्तारित, थाना लालगंज पर 32 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना हलिया पर 21 प्रार्थना पत्र प्राप्त 07 निस्तारित, थाना जिगना पर 33 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित , थाना ड्रमण्डगंज पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना सन्तनगर 17 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना चुनार पर 03 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना अदलहाट पर 20 प्रार्थना पत्र प्राप्त 05 निस्तारित, थाना जमालपुर पर 03 प्राप्त, थाना अहरौरा पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त 03 निस्तारित, थाना मड़िहान पर 06 प्रार्थना पत्र प्राप्त, थाना राजगढ़ पर 04 प्रार्थना पत्र 02 निस्तारित तथा शेष मामलों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को रवाना किया गया।

संसद सत्रों की अवधि कम हो गयी और सत्र चलते भी नहीं, ऐसे में संसदीय लोकतंत्र पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं

ललित गर्ग

मानसून सत्र में दोनों सदनों में सुचारू रूप से चलें इसके लिये सर्वदलीय बैठक में सहमति भले ही बनी हो, लेकिन अब तक के अनुभव के अनुसार यह सत्र भी हंगामेदार ही होना तय है। भारतीय जनता पार्टी को कड़ी टक्कर देने के लिए विपक्ष ने इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) नाम के नए गठबंधन की घोषणा कर दी है। नए गठबंधन के नेता संसद के मानसून सत्र में सरकार को घेरने की तैयारी कर चुके हैं। मानो विपक्षी दलों ने प्रण कर लिया है कि वह इस सत्र को भी सुगम तरीके से नहीं चलने देगा। मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हुआ और यह 11 अगस्त को खत्म होगा। इस दौरान संसद के दोनों सदनों की कुल 17 बैठकें रखी गई हैं। एक ओर जहां सत्ता पक्ष अहम विधेयकों को पारित करने की कोशिश में है, वहीं दूसरी ओर विपक्ष मणिपुर हिंसा, रेल सुरक्षा, महंगाई, यूनिफॉर्म सिविल कोड और अडाणी मामले पर जेपीसी गठित करने की मांग करने में लगा हुआ है। कई और मुद्दों को लेकर भी वह सरकार को घेरने की फिराक में है। ऐसे में, विपक्ष की भूमिका देश व सरकार के प्रति अपने कर्तव्य और दायित्व के सही एवं सकारात्मक निर्वहन की होनी अपेक्षित है।

हम पिछले कुछ वर्षों से देख रहे हैं कि किस प्रकार संसद के सत्र छोटे पर छोटे होते जा रहे हैं और साल में संसद बामुश्किल 55 या 56 दिन के लिए ही बैठती है और उसमें भी सार्थक चर्चा होने के स्थान पर सत्ता व विपक्षी खेमों के बीच एक-दूसरे के ऊपर आरोप-प्रत्यारोपों की बौछार होती रहती है और भारी शोर-शराबा मचता रहता है या बैठकें बार-बार स्थगित होती रहती हैं। विपक्ष का आक्रामक रुख और हंगामा उचित नहीं है। उसे अपनी छवि सुधारनी चाहिए। हर बार की तरह इस बार भी संसदीय अवरोध कायम रहता है तो इससे लोकतंत्र कमजोर ही होगा। लोकतंत्र में संसदीय अवरोध जैसे उपाय किसी भी समस्या का समाधान नहीं कर सकते। इस मौलिक सत्य व सिद्धांत की जानकारी से आज का पक्ष एवं विपक्षी नेतृत्व अगर अनभिज्ञ रहता है, तो यह अब तक की हमारी लोकतांत्रिक यात्रा की कमी को ही दशार्ता है। यह स्थिति देश के लिये नुकसानदायी है, इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति की काली छाया से मानसून सत्र को बचाना प्राथमिकता होनी चाहिए। भारत पूरी दुनिया में

संसदीय प्रणाली का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और इसके बावजूद इसकी संसद की हालत ऐसी हो गई है कि सदन चलता ही नहीं। 17वीं लोकसभा का कार्यकाल पूरा होने में अब केवल मुश्किल से नौ महीने ही बचे हैं। इस अवधि में विपक्ष प्रभावी भूमिका में सामने आये, यह जरूरी है। वैसे भी संसद पर पहला अधिकार विपक्ष का होता है क्योंकि वह अल्पमत में होता है मगर उसी जनता का प्रतिनिधित्व करता है जिसका प्रतिनिधित्व बहुमत का सत्ताधारी दल करता है। अतः विपक्ष द्वारा उठाये गये मुद्दों और विषयों पर विशद चर्चा कराना सत्ताधारी दल का नैतिक कर्त्तव्य बन जाता है। मगर हम तो देखते आ रहे हैं कि पिछले सत्र में जिस प्रकार एक के बाद एक विधेयक बिना चर्चा के ही संसद के दोनों सदनों के भीतर भारी शोर-शराबे के बीच पारित होते रहे, यहां तक कि चालू वित्त वर्ष के बजट को भी बिना किसी चर्चा के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। ये लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धुंधलाने के उपक्रम है।

मानसून सत्र के दौरान सरकारी कार्यों की संभावित सूची में 31 नये विधेयकों को पेश या पारित करने के लिए शामिल किया गया है। इसमें दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार संशोधन विधेयक 2023 को भी जोड़ा गया है। यह विधेयक संबंधित अध्यादेश का स्थान लेने के लिए रखा जाएगा। आम आदमी पार्टी इस मामले को लेकर सरकार पर निशाना लगा रही है। हम भयंकर गलती कर रहे हैं क्योंकि हम उसी संसद को अप्रासंगिक बनाने का प्रयास कर रहे हैं जिसके साये में इस देश का पूरी शासन-व्यवस्था चलती है और जिसमें बैठे हुए आम जनता के प्रतिनिधि आम लोगों से ताकत लेकर उसे चलाने की जिम्मेदारी उठाते हैं और इस मुल्क के हर तबके के लोगों का जीवन स्तर सुधारने के लिए नीतियां बनाते हैं। भारतीय संविधान के तहत संसद को सार्वभौम इस तरह माना गया है कि इसे नये कानून बनाने का भी अधिकार है, बशर्ते वे कानून संविधान की कसौटी एवं जन-अपेक्षाओं पर खरे उतरते हों। इन कानूनों को पारित करने में सत्ता पक्ष से ज्यादा विपक्ष की भूमिका है, मगर हमने पिछले सत्र में देखा कि विपक्षी सांसदों ने संसद का बहिष्कार करके या उसका अवरोध करके उसको नहीं चलने दिया और पूरा सत्र व्यर्थ ही चला गया।

मानसूत्र सत्र व्यर्थ न जाये, यह पक्ष एवं विपक्ष दोनों की जिम्मेदारी है। इस सत्र में अहम विधेयक पेश किए जाने हैं, ऐसे में सभी का सहयोग बहुत जरूरी है। सभी दलों को सत्र चलाने में मदद करनी होगी। संसदीय कार्यमन्त्री का मुख्य कार्य विपक्ष के साथ संवाद कायम करके संसदीय कामकाज को सामान्य तरीके से चलाने का होता है। मगर इसके साथ ही दोनों सदनों के सभापतियों की भी यह जिम्मेदारी होती है कि वे संसद की कार्यवाही को चलाने के लिए संसदीय कार्यमन्त्रणा समितियों से लेकर विभिन्न राजनैतिक दलों के नेताओं से सहयोग एवं सहृदयता प्राप्त करने का प्रयास करें। लेकिन जैसे-जैसे लोकतंत्र के विस्तार के साथ देश की भौतिक अवस्था में भी सकारात्मक बदलाव आया है, उससे तो कल्पना में यही बात रही होगी कि बौद्धिकता का भी स्तर और अभिव्यक्ति की शैली में प्रगतिशीलता और श्रेष्ठता आएगी। लेकिन यथार्थ इससे एकदम भिन्न है। बहस की शैली और तत्त्व दोनों में ही गिरावट आई है। संसदीय बहसें अपने सुनने-देखने वालों की भी रचनात्मकता को कम करने में अधिक कारगर हो रही हैं। यही कारण है कि हल्की, ऊटपटांग, उलाहनापूर्ण, व्यंग्य और अपशब्दों वाली बहसें एवं हंगामे, जिन्हें संक्षेप में अमर्यादित और असंसदीय कह सकते हैं, जो लोकतंत्र की गरिमा को धूमिल करती है, इन स्थितियों का उभरना एक चिन्तनीय स्थिति है।

सैकड़ों जगह हुआ हजारों पौधों का रोपण

जनसहभागिता से ही पौधरोपण जनांदोलन बनेगा : विधायक

प्रखर पिंडरा वाराणसी। प्रदेश सरकार द्वारा 22 जुलाई से चलाए जा रहे बृहद पौधरोपण अभियान के तहत क्षेत्र के दर्जनों स्थानों पर गणमान्य लोगों द्वारा पौधरोपण कर उसके रक्षा का संकल्प लिया गया।

पिंडरा ग्राम सभा मे बृहद पौधरोपण अभियान के तहत पौधरोपण अभियान के दौरान विधायक डॉ अवधेश सिंह ने कहाकि बिना जनसहभागिता के कोई आंदोलन , जन आंदोलन नही बन सकता है। इसके लिए कर्तव्यनिष्ठ और संकल्पित होना होगा। तभी पौधरोपण अभियान जनांदोलन बनेगा। इस दौरान व्यायामशाला परिसर में 40 पेड़ पाम ट्री के तथा दर्जनो पेड़ फलदार व छायादार पौधे लगाए गए। इस दौरान एसडीएम प्रतिभा मिश्रा, तहसीलदार विकास पांडेय, बीडीओ डॉ सी एल तिवारी, नोडल/ मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक दीपांशु कुमार व एडीओ पंचायत अशोक चौबे, मण्डल अध्यक्ष मनीष पाठक, रजनीकांत सिंह समेत अनेक गणमान्य लोग रहे। तहसील परिसर स्थित ग्राम न्यायालय के सामने जज सत्यम सिंघल ने फलदार व छायादार पौधे का रोपण किया। इस दौरान नायब तहसीलदार राधेश्याम यादव, रामु गुप्ता, विनोद कुमार, जेपी श्रीवास्तव समेत अनेक लोग रहे। वही एग्रो पार्क परिसर करखियाव में यूपीसीडा के क्षेत्रीय प्रबंधक आशीष नाथ के नेतृत्व में पौधरोपण हुआ। इस दौरान एग्रो पार्क एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज मद्धेशिया,आनन्द जायसवाल, शुभम अग्रवाल, रवि गुप्ता, बृजेश गुप्ता, राजेश राय समेत अनेक उद्यमी रहे। प्राथमिक विद्यालय सैरागोपालपुर में बीईओ देवीप्रसाद दुबे ने पौधरोपण किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय रमईपट्टी में वरुणा सेवा ट्रस्ट व वेस इंडिया के तत्वावधान में पौधरोपण हुआ। इसके अलावा क्षेत्र के परिषदीय, मान्यता प्राप्त व गैर मान्यता प्राप्त 402 विद्यालयों में नोडल के उपस्थित में पौधरोपण किया गया।

खाद्य एवं रसद आयुक्त ने किया पौधरोपण, वाराणसी, आजमगढ़ मण्डल का किया समीक्षा बैठक

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। वृक्षारोपण अभियान के प्रथम दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश खाद्य एवं रसद विभाग के आयुक्त सौरभ बाबू द्वारा जनपद गाजीपुर में सर्वप्रथम शिवा फीलिंग स्टेशन चकतालवी तहसील सदर गाजीपुर के परिसर में आम्रपाली एवं अमरूद के पौधे का रोपण कर वृक्षारोपण अभियान प्रारम्भ किया गया। जिला पूर्ति अधिकारी कुमार निर्मलेन्दु द्वारा भी पौधे लगाये गये। तत्पश्चात सुखबीर एग्रो प्राइवेट लिमिटेड फतेउल्लाहपुर, गाजीपुर के परिसर में वाराणसी मण्डल एवं आजमगढ़ मण्डल के सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था, खाद्यान्न उठान, वितरण, उचित दर विक्रेताओं के लाभांश भुगतान एवं धान खरीद आदि के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक की गयी। उक्त समीक्षा बैठक में श्रीमती राजन गोयल, उपायुक्त खाद्य, वाराणसी मण्डल, वाराणसी, संभागीय खाद्य विपणन अधिकारी, वाराणसी, कुमार निर्मलेन्दु जिला पूर्ति अधिकारी, गाजीपुर, देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी, चंदौली, उमेश चन्द्र मिश्र, जिला पूर्ति अधिकारी, वाराणसी, संतोष विक्रम साही, जिला पूर्ति अधिकारी जौनपुर, के साथ-साथ आजमगढ़ मण्डल के जिला पूर्ति अधिकारी एवं जिला खाद्य विपणन अधिकारी उपस्थित रहे। श्रीमती राजन गोयल उपायुक्त खाद्य वाराणसी मण्डल, वाराणसी एवं कुमार निर्मलेन्दु जिला पूर्ति अधिकारी, गाजीपुर द्वारा तहसील सदर गाजीपुर के उचित दर विक्रेता श्रीमती रानी तिवारी के उचित दर दुकान के परिसर में आम के पौधे का रोपण किया गया। इसके अतिरिक्त जिला पूर्ति कार्यालय गाजीपुर के पूर्ति निरीक्षको

गोविन्द कुमार सिंह, संतोष कुमार सिंह, प्रवीण कुमार गुप्त, श्याम मोहन सिंह, विजय कुमार एवं पूर्ति लिपिकों बीरेश मौर्य, बद्रीनाथ गुप्ता, रामदेव सिंह यादव, विपिन कुमार द्वारा भी एक दर्जन आम के पौधे का रोपण किया गया। वृक्षा रोपण के पश्चात जिला पूर्ति अधिकारी गाजीपुर द्वारा श्रीमती रानी तिवारी उचित दर विक्रेता ग्रामसभा फतेउल्लाहपुर ब्लाक सदर गाजीपुर के दुकान का निरीक्षण मौके पर किया गया।

जिला पुलिस के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा किया गया वृहद पौधरोपण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शनिवार से आरंभ वृक्षारोपण जन आन्दोलन महाअभियान के तहत उत्तर प्रदेश में 35 करोड़ वृक्षारोपण किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सम्पूर्ण उ0प्र0 में 22 जुलाई को 01 दिन में रिकॉर्ड 30 करोड़ पौधरोपण के क्रम में ओमवीर सिंह पुलिस अधीक्षक गाजीपुर निर्देशन मे समस्त पुलिस अधिकारीगण एवं कर्मचारियों द्वारा वृहद रूप से वृक्षारोपण किया गया। पर्यावरण, वृक्षारोपण की महत्ता के बारे में बताया गया कि मानवता की रक्षा के लिए वृक्ष, पेड़-पौधे बहुत जरूरी हैं, जिसके क्रम में हम ज्यादा से ज्यादा वृक्ष लगाकर अपने पर्यावरण को स्वच्छ व सुन्दर बना सकते हैं। प्रकृति के प्रति सकारात्मक रवैये को लेकर सभी को ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने एवं प्लास्टिक, शीशा आदि जैसे वातावरण के लिए खतरनाक पदार्थों का उपयोग बंद करने के लिये जागरूक करते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाकर वृक्षारोपण के वृक्ष लगायें पर्यावरण बचायें महा अभियान को सफल बनाने की अपील की गयी ।

वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

प्रखर मिजोपुर । जमालपुर ब्लॉक के कसिहर ग्राम स्थित गुरु कार्ष्णि महाविद्यालय में दिनांक 22-07- 2023 को मुख्य अतिथि के रूप में शआनंद सिंह उर्फ बंटू सिंह पूर्व ब्लाक प्रमुख जमालपुर के व महाविद्यालय के अध्यक्ष डॉ मुकुंद सिंह के सानिध्य में वृहद वृक्षारोपण संपन्न कराया गया। जिसमें महाविद्यालय की ओर से संपूर्ण छात्र / छात्रा, प्राचार्य डॉ मुकेश मिश्र एवं महाविद्यालय परिवार के समस्त गुरु जन व समस्त सदस्य उपस्थित रहे। जिसमें मुख्य अतिथि के स्वागत आदि के उपरांत उनके कर कमलों द्वारा वृक्षारोपण कराया गया तथा उनके मुखारविंद द्वारा छात्रों को वृक्षों द्वारा होने वाले लाभ तथा तथा वृक्षों के न होने पर भविष्य में होने वाली समस्याओं को बताया गया।

हरिद्वार पहुंचने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में स्वागत कर अपनी मांगों के संदर्भ में किया ज्ञापन प्रेषित

प्रखर पूर्वान्चल हरिद्वार। उत्तराखंड राज्य में रेहड़ी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों की न्याय संगत मांगों के लिए संघर्ष कर रहे लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने हरिद्वार आगमन पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ हेलीपैड स्टेडियम में पहुंचने पर पटका ओढ़ाकर जोरदार स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में मांग की गई उत्तराखंड राज्य में सभी नगर निकायों में रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों को प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय पत्रकारिता संरक्षण अधिनियम उत्तराखंड, नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 की शासन स्तर पर सरकार द्वारा समीक्षा किए जाने के साथ धर्म नगरी हरिद्वार में नगर निगम प्रशासन द्वारा किए गए तीन वेंडिंग जोन के उद्घाटन लोकार्पण व अन्य 12 चयनित सभी वेंडिंग जोन के शिलान्यास के साथ उत्तराखंड सरकार द्वारा रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को दी जा रही 10,000 की अनुदान राशि युद्ध स्तर पर उपलब्ध कराए जाने की मांग को प्रमुखता से किया इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा 15 में से मात्र 3 वेंडिंग जोन ही विकसित किए गए हैं जिसमें प्रथम स्मार्ट वेंडिंग जोन चंडी घाट मार्ग ललतारो पुल पर है वही दूसरा महिला पिंक वेंडिंग जोन रोड़ी बेलवाला में 100 महिला स्ट्रीट वेंडर्स की क्षमता का है तीसरा ज्वालापुर जटवाड़ा पुल पर बनाया गया है लेकिन काफी समय बीत जाने के उपरांत भी अब तक सरकार की और से उद्घाटन व लोकार्पण किया नहीं किया गया है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की गई है आगामी अगस्त के माह में सभी विकसित वेंडिंग जोन के उद्घाटन व अन्य वेंडिंग जोन के शिलान्यास प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार प्राथमिकता के आधार पर किए जाने की मांग को भी मेरे द्वारा द्वारा दोहराया गया है।

बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया ग्राहक जन संपर्क और ऋण वितरण कार्यक्रम

प्रखर वाराणसी। बैंक ऑफ इंडिया वाराणसी अंचल ने अन्धरापुल स्थित एक होटल में ग्राहक जनसम्पर्क कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में मौजूदा ग्राहकों ने भाग लिया` वाराणसी अंचल के आंचलिक प्रबंधक, राजेश रॉबर्ट, उप आंचलिक प्रबंधक सत्यप्रकाश और सहायक महाप्रबंधक ऋतुपर्णा चक्रवर्ती भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे` इस कार्यक्रम में एम.एस.एम. ई.मुद्रा, रिटेल तथा कृषि संबंधी व्यापारियों की सक्रिय एवं उत्साही भागीदारी रही और वाराणसी अंचल ने कुल 157 खाता जिसके मध्यम से 51.08 करोड़ के ऋण स्वीकृत वितरण किये गए` इस कार्यक्रम में बैंक ग्राहकों के साथ-साथ बैंक के अन्य विभाग प्रमुखों ने भी भाग लिया और ग्राहक कल्याण के लिए विभिन्न जानकारी दी ` आंचलिक प्रबंधक राजेश रॉबर्ट ने इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्राहकों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया तथा बैंक कर्मियों को ग्राहक तक पहुंचने की पहल सहित वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए भी निर्देश दिए आगे उन्हें ने बताया ऐसे

कार्यक्रम का लक्ष्य है कि अर्थव्यवस्था के सभी पात्र वर्गों को वित्त उपलब्ध कराने की बैंक ऑफ इंडिया की क्षमता तथा इच्छा को पुनः प्रतिपादित किया जाए इसका व्यापक लक्ष्य यह है कि भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में बैंक ऑफ इंडिया की सक्रिय भागीदारी रहे उप आंचलिक प्रबंधक श्री सत्यप्रकाश ने ग्राहकों को सम्बोधित करते हुए बताया कि वर्तमान में बैंक ऑफ इंडिया ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में ऐसे ऋण वितरण कार्यक्रमों का आयोजन किया है श्री सत्यप्रकाश ने आगे बताया कि बैंक ऑफ इंडिया में पी.एम.जे.डी.वाई ,बी. एस.बी.डी के अंतर्गत नये ग्राहकों को जेड़ना तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न प्रमुख योजनाओं को सभी नागरिको तक पहुंचाने के लिए बैंक हमेशा तत्पर रहेगा ` कार्यक्रम के समापन में सहायक महाप्रबंधक ऋतुपर्णा चक्रवर्ती ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बैंक ऑफ इंडिया द्वारा इस प्रकार की पहल से न केवल बाजार के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक सुधार आयेगा बल्कि विभिन्न आवश्यक क्षेत्रों को संस्थागत वित्त प्रदान करने के समावेशी ढ़ाचे को तैयार करने में भी मदद मिलेगी।

नाबालिग को बहला फुसलाकर भगाने का आरोपी गिरफ्तार

प्रखर मिजार्पुर। थाना जमालपुर पर दिनांकः 13.07.2023 को थाना जमालपुर क्षेत्रांतर्गत निवासी एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध अपनी(वादी की) नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । जिसके आधार पर थाना जमालपुर पर मु0अ0सं0-114/2023 धारा 363,366 भादवि पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए घटना से सम्बन्धित अभियुक्त की गिरफ्तारी व अपहृता की बरामदगी करने हेतु प्रभारी निरीक्षक जमालपुर को निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना जमालपुर पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में अपहृता की पूर्व में बरामदगी की गयी है । आज दिनांकः22.07.2023 को उ0नि0 मैनेजर यादव मय पुलिस टीम मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र से वांछित अभियुक्त आशीष कुमार पुत्र रामबाबू बियार निवासी हरदी सहिजनी थाना जमालपुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया ।

इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार का पाचवां इंस्टालेशन सेरेमनी का हुआ आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार द्वारा मलदहिया स्थित एक होटल में 22 जुलाई शनिवार कों पांचवां इंस्टालेशन सेरेमनी मनाया गया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि के रूप में पास्ट एसोसिएशन ट्रेजरार अर्चना वाजपेयी उपस्थित रही ` दीप प्रज्वलन करने के बाद एक छोटी बच्ची अविज्ञया ने गणेश वंदना पर नृत्य किया जिसके बाद कार्यक्रम की हुई शुरूआत ` इंस्टालेशन सेरेमनी के दौरान अर्चना वाजपेयी के द्वारा सन 2023-24 की अध्यक्षा वर्तिका अग्रवाल ,सेक्रेटरी दिव्या अग्रवाल ,ट्रेजरार नेहा अग्रवाल , एडिटर मानसी अग्रवाल , आईएसओ संजना अग्रवाल का शपथ ग्रहण कराया गयाे इनरव्हील क्लब आफ वाराणसी स्पार्कलिंग स्टार के द्वारा होमी भाभा कैंसर रिसर्च हास्पिटल कों पांच व्हील चेयर दिया गया साथ ही कार्यक्रम के दौरान गेम भी कराया गया जिसमें की विजेताओं कों पुरस्कार भी दिया गया` इंस्टालेशन सेरेमनी कार्यक्रम में अनुजा अग्रवाल ,रुपिका अग्रवाल ,नंदिता अग्रवाल ,दीप्ति कश्यप , मानसी अग्रवाल ,ईसा अग्रवाल सहित इत्यादि महिलाएं उपस्थित रही।

प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण आवश्यक : बीडीओ

प्रखर खेतासराय जौनपुर। विकास खण्ड सोंधी के बीडीओ जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षारोपण बहुत ही आवश्यक है । इस से आसपास का वातावरण स्वच्छ रहता है । पृथ्वी पर वृक्ष के बगैर जल जीवन दोनों सम्भव नही है । इस लिए धरा के अधिकतम भू भाग पर सभी लोग जिम्मेदारी पूर्वक वृक्षारोपण कर भविष्य का जीवन संरक्षित करें । वह शनिवार को जमदहा गांव में पौधरोपण के शुभारंभ के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे । प्रधान संघ के ब्लॉक उपाध्यक्ष, ग्राम प्रधान इसराइल अहमद ने बताया कि गांव मे लगभग देढ़ हजार पौधरोपण हुआ । पूरे चार हजार पौधा लगाने का लक्ष्य है । इस मौके पर प्रमुख रूप से एपीओ राजकुमार गुप्ता, पूर्व प्रधान मो साकिब, रोजगार सेवक पकंज शर्मा,

सेक्रेटरी संजय यादव, जेई शशिकांत प्रजापति, अशोक यादव, राजेंद्र, राजेश हबीब, वसीम, हकीमुद्दीन, उमेश, सिराजुद्दीन समेत अन्य लोग शामिल रहे । उधर खेतासराय थानाध्यक्ष व निरीक्षक राजेश कुमार यादव के नेतृत्व में केडी इंटर कॉलेज में वृक्षारोपण हुआ । इस मौके पर प्रधानचार्य नीतू सेठ, रविंद्र यादव, रवि यादव, राममूरत, अमित, प्रिय तनू सोनी, प्रेमलता समेत सभी पुलिस के जवान मौजूद रहे ।

बिना वृक्ष के जीवन अधूराः प्रो. निर्मला एस. मौर्य

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में शासन की मंशा के अनुरूप वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शनिवार को विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों और छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर मौर्य ने कहा कि बिना वृक्ष के जीवन अधूरा है। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पौधरोपण के साथ उनकी सुरक्षा भी करनी जरूरी है। उत्तर प्रदेश में शनिवार से 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ' थीम पर वृक्षारोपण जन अभियान-2023 की शुरूआत की गई है। सरकार ने यूपी में 35 करोड़ पौधे रोपने का लक्ष्य रखा है। इसी के तहत विश्वविद्यालय की पुलिस चौकी के पास कुलपति, कुलसचिव, वित्त अधिकारी एवं शिक्षकों ने पौधरोपण किया। इसके पूर्व बायोटेक्नोलॉजी के एसोसिएट प्रोफेसर डा. मनीष कुमार गुप्ता की निगरानी में विद्यार्थियों ने पुलिस चौकी के पास काफी संख्या में पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, डा. राजकुमार, डॉ विनय कुमार वर्मा, इन्द्रेश कुमार सहित विश्वविद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

रज्जू भैया संस्थान के पीजी पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश प्रारंभ

प्रखर जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भैया) संस्थान के भौतिकी विज्ञान विभाग, रसायन विज्ञान विभाग, गणित विभाग तथा भू एवं ग्रहीय विज्ञान विभाग के एमएससी पाठ्यक्रम में सत्र 2023-24 के लिए प्रवेश प्रारंभ हो चुका है। नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी रिसर्च सेंटर के अंतर्गत संचालित एमटेक (मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी) विषय में भी प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक डॉ. प्रमोद कुमार यादव ने कहा कि विद्यार्थी 24 जुलाई, सुबह 10 बजे से सभी विभागों के अंतर्गत संचालित परस्नातक पाठ्यक्रमों में सीधे प्रवेश ले सकते है । बीएससी उत्तीर्ण और स्नातक अन्तिम वर्ष के विद्यार्थी एमएससी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए अपने सभी शैक्षणिक प्रमाणपत्र पत्र की मूल प्रति व छाया प्रति के साथ सम्बन्धित विभाग में पहुंचे।

संक्षिप्त खबरें

ब्लाक प्रमुख ने क्षेत्र के विभिन्न जगहों पर पौधारोपण कर लोगों को पर्यावरण के प्रति किया जागरूक

प्रखर मिजार्पुर। राजगढ़ ब्लाक प्रमुख गजेंद्र प्रताप सिंह ने वृहद पौधारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र के ओम साईं इंटर कॉलेज कलवारी, रामखेलावन सिंह पीजी कॉलेज कलवारी, ओम साईं विंध फामेर्सी तिसुही मड़िहान, सरकारी साधन समिति दादरा, असुरैन तालाब खोराडीह में पौधरोपण करके लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया और सभी लोगों को अधिक से अधिक अपने आसपास एवं खाली स्थान पर पौधारोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर सभी संस्थानों के प्राचार्य एवं अध्यापक गढ़ मुख्य चिकित्सा अधिकारी राजेश कुमार, वी डि ओ रमाकांत, एडीओ कोआपरेटिव राजकुमार सिंह, एडीओ पंचायत भूपेंद्र चंद्र वी डि ओ अविनाश पटेल, खोराड़ीह ग्राम प्रधान महेश प्रसाद कोल समेत अन्य सम्मानित गण उपस्थित रहे।

भाजपा नेता डॉक्टर कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा व खंड विकास अधिकारी डॉ आराधना त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से किया वृक्षारोपण

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। ब्लॉक मोहम्मदपुर के ग्राम पंचायत रानीपुर रजमो में पूर्व मंत्री वरिष्ठ व भाजपा नेता डॉ कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा एंव खंड विकास अधिकारी डॉ आराधना त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से रोपण किया । वृक्षारोपण के दौरान पूर्व मंत्री डॉ कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन के लिए अमूल्य धरोहर है। यह ऑक्सीजन के साथ साथ पर्यावरण को संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं इसलिए सभी लोगों को पौधों को लगाना चाहिए। केंद व प्रदेश की सरकार एक मुहिम चलाकर प्रदेश में अधिक से अधिक पौधे लगाने का कार्य कर रही हैं ताकि पर्यावरण संतुलन बना रहे। खंड विकास अधिकारी डॉ आराधना त्रिपाठी ने कहा कि ब्लॉक मुहम्मदपुर वृक्षारोपण अभियान बृहद रूप से चल रहा है ब्लाक के 73 ग्राम पंचायतों में कुल 107860 पौधे लगाए जाने हैं। पौधे लगाने के साथ-साथ इनकी देखभाल एवं बचाव की व्यवस्था की जिम्मेदारी भी ग्राम पंचायत सचिवों को दी गई है। इस अवसर पर मुख्य रूप से ग्राम प्रधान डिंपल सिंह ,मानसिंह, ग्राम पंचायत सचिव चांदनी शुक्ला रोजगार सेवक अजय गुप्ता, दीपक भारती आदि लोग उपस्थित थे।

डीएम व एसपी ने संयुक्त रूप से वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

प्रखर मिजार्पुर। जनपद के पुलिस लाइन में पेड़ लगाओ, पेड़ बचाओ ! पर्यावरण संरक्षण की ओर कदम बढ़ाओ"कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा द्वारा जिलाधिकारी दिव्या मित्तल के साथ वृक्षारोपण जन अभियान 2023 के तहत पुलिस लाइन में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। धरती को हरा-भरा बनाने एवं भावी पीढ़ियों को प्रदूषण मुक्त और सुरक्षित जीवन प्रदान करने हेतु पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन बहुत जरूरी हैं, वृक्ष लगाकर हम पर्यावरण एवं परिवेश को स्वच्छ तथा सुन्दर बना सकते हैं। वृक्षारोपण के इस महा अभियान को सफल बनाने के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद के सभी थानों एवं पुलिस चौकियों पर परिसर में वृहद स्तर पर पुलिसकर्मियों द्वारा फलदार, छायादार इत्यादि पौधों को लगाकर वृक्षारोपण किया जा रहा है ।पुलिस लाइन में हुए वृक्षारोपण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, क्षेत्राधिकारी नगर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन सहित अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे ।

गोवध एवं पशु क्रूरता अधिनियम के अभियोग से सम्बन्धित तीसरा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। पुलिस अधीक्षक "संतोष कुमार मिश्रा" द्वारा गो-तस्करों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना अहरौरा पर पंजीकृत मु0अ0सं0-37/2023 धारा 3/8 गोवध निवारण अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम में विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए पूर्व में 02 नफर अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है । थाना अहरौरा पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः22.07.2023 को उ0नि0 सदानन्द यादव मय पुलिस टीम द्वारा मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर तीसरे वांछित अभियुक्त कृपा पुत्र भग्गू निवासी मदारपुर थाना अहरौरा को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए जेल भेजा गया ।

जनपद की छह महत्वपूर्ण सड़कों के निर्माण हेतु एनओसी के लिए केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने वन एवं पर्यावरण मंत्री अरुण कुमार सक्सेना को लिखा पत्र

प्रखर मिजार्पुर।जनपद में वन क्षेत्र से गुजरने वाली सड़कों की स्थिति में जल्द सुधार हो सकता है। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग राज्य मंत्री एवं जनपद की लोकप्रिय सांसद अनुप्रिया पटेल ने वन क्षेत्र से गुजरने वाली छह प्रमुख सड़कों के निर्माण के लिए वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्रदान किए जाने के लिए उत्तर प्रदेश के वन एवं पर्यावरण मंत्री राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अरुण कुमार सक्सेना को पत्र लिखकर अनुरोध किया है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने दो महीने पहले 22 मई को इन सड़कों के निर्माण हेतु एनओसी के लिए प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य जीव, उत्तर प्रदेश को पत्र लिखा था। केंद्रीय अनुप्रिया पटेल का कहना है कि जनपद की काफी बड़ी आबादी वन क्षेत्र के दूसरी ओर निवास करता है। उन्हें आने-जाने के लिए वन क्षेत्र से गुजरने वाली इन सड़कों का उपयोग करना पड़ता है। इन सड़कों के निर्माण होने से वन क्षेत्र के दूसरी ओर रहने वाले इन जनपदवासियों को राहत मिलेगी। आवागमन की सुविधा बेहतर हो जाएगी। जिला मुख्यालय पर स्वास्थ्य, शिक्षा अथवा ट्रेन से यात्रा सुगम हो जाएगी।

जनपद की इन महत्वपूर्ण सड़कों का होना है निमार्णः

1.भटवारी से मतवार संपर्क मार्ग
2.मतवरिया से मतवार संपर्क मार्ग
3.बड़ौही से परसिया वाया औरा संपर्क मार्ग
4.फुलियारी संपर्क, सिलहटा संपर्क मार्ग
5.मेजा बांध (ददरी) से नदना वाया मटिहरा झसगरा संपर्क मार्ग
6.खरिहट खुर्द से केडवर संपर्क मार्ग।

धार्मिक

सालिक राम वर्मा

कंवर के चंडी माता मंदिर में भक्तों की आस्था

धमतरी गुंडरदेही मार्ग पर स्थित आमदी गांव से 2 किमी की दूरी पर पश्चिम दिशा में कंवर गांव स्थित है। यहां शक्ति की देवी चंडी रूप में विराजमान हैं। इसी के साथ प्राचीन समय से कई भग्न मूर्तियां भी इस स्थल से प्राप्त हुई हैं उसे माता काली मंदिर में स्थापित किया गया है। ग्रामीण बताते हैं कि इस माता मंदिरों से कई चमत्कार हम लोगों ने देखें हैं इसलिए इन मंदिरों के प्रति हमारी गहरी आस्था है। इतना ही नहीं माता की प्रसिद्धि के बारे में जानकर दूर-दूर से भक्त इस छोटे से गांव के मंदिर में आते हैं और माता उनकी मनोकामना पूरी करती है। वर्ष भर इन मंदिरों में भक्तों का आना जाना लगा रहता है। वर्ष के दोनों नवरात्रि में ज्योति प्रज्जवलन की संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। इतना ही नहीं इस रास्ते से गुजरने वाले माता के मंदिर में माथा टेकने के बाद ही आगे बढ़ते हैं नहीं तो अनहोनी होने की आशंका बनी रहती है, इससे संबंधित कई प्रमाण यहां के लोगों ने देखे भी हैं। मंदिर के साज-सज्जा और वातावरण को रमणीय बनाने का प्रयास ग्रामीण करते ही रहते हैं।

पुस्तक समीक्षा

आदिवासी रूढ़ी परंपराएं

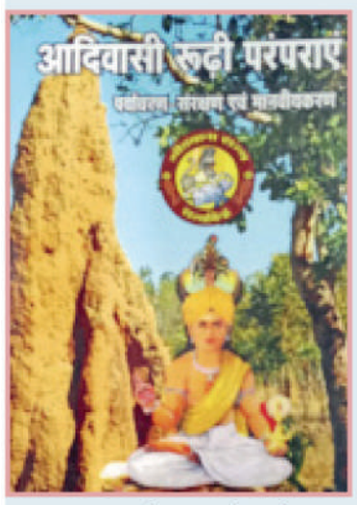

कृति के नाव
आदिवासी रूढ़ी परंपराएं

कृतिकार
श्रीमती एस्तर (आशा) ध्रुव

समीक्षक
शेरसिंह गोड़िया

प्रकाशक
आशु प्रकाशन रायपुर

कीमत
एक सौ पचास रुपए

छत्तीसगढ़ आदिवासी बाहुल्य अंचल रहा है। खासकर बस्तर में आदिवासी आज भी अपनी परंपरा और संस्कृति को बनाए हुए हैं। इसी आदिवासी जनजीवन में जो रूढ़ी परंपरा समाज में प्रचलित है तथा उनके तथ्यों को परखने के बाद किसी नतीजे पर पहुंचकर पुस्तक के रूप में प्रकाशन करने का का काम लेखिका ने यहां किया है। आपने प्रकृति पूजा और आदिवासी समाज, कुछ बातें पर्यावरण के संबंध में, प्रदूषण तीज-त्योहार और वृक्षों का महत्व एवं औषधीय प्रयोग जैसे शीर्षक से अधिक से अधिक बहुपयोगी सामग्रियां को शामिल किया है। इस तरह पुस्तक में बहुत सी दैनिक जीवन को प्रभावित करने वाली जानकारियों को समाहित कर समाजोपयोगी बनाने का अच्छा प्रयास हुआ है जिनका लाभ पाठकों को मिलेगा।

शादी-ब्याह के समय में विभिन्न रस्मों को कांसे के बर्तन में निभाया जाता है तथा दूल्हा-दुल्हन को कांसे के बर्तन उपहार में दिए जाते हैं। कांसे के बर्तनों का उपयोग आवश्यकतानुसार जहां होता है उसे थारी, थरिया, माली, थरकुलिया, करछुल, बटकी, कोपरा और परात कहा जाता है। आयुर्वेद के अनुसार कांसा धातु के बर्तन में भोजन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा इस बर्तन को पवित्र और शुद्ध माना जाता है।

अंचल में कांसे के बर्तन का महत्व

छत्तीसगढ़ में प्राचीन काल से ही कांसे के बर्तन का उपयोग हमारी दिनचर्या में किया जाता है। इन बर्तनों को फूल कांस, नैर कांस और पीतल कांस के नाम से जाना जाता है। शहर में इन बर्तनों का चलन नहीं के बराबर है परंतु ग्रामीण अंचलों में आज भी मेहमानों को भोजन फूलकांस की थाली में परोसा जाता है। शादी-ब्याह के समय में विभिन्न रस्मों को कांसे के बर्तन में निभाया जाता है तथा दूल्हा-दुल्हन को कांसे के बर्तन उपहार में दिए जाते हैं। कांसे के बर्तनों का उपयोग आवश्यकतानुसार जहां होता है उसे थारी, थरिया, माली, थरकुलिया, करछुल, बटकी, कोपरा और परात कहा जाता है। बनवासी कांसे के जेवर भी पहनते हैं। मंदिरों में पूजा के लिए घंटी, कांसे की थाली, कटोरी और लोटा कांसे के बर्तन के ही होते हैं। यहां बेटियों को विवाह, पहली तीजा, गोदभराई, मुंह जुठराई, काजर अंजनी और हाथा देने के लिए कांसे के बर्तन उपयोग में लाए जाते हैं। गुरूओं-अतिथियों और भांजे-भांजियों आदि के पांव पखारने की प्रथा अब भी छत्तीसगढ़ में प्रचलित है जिसमें कांसे के बर्तन का ही उपयोग किया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार कांसा धातु के बर्तन में भोजन करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा इस बर्तन को पवित्र और शुद्ध माना जाता है। इसके साथ ही हमारे शरीर में कांसे का प्रभाव से तंत्रिका तंत्र में पड़ने से मांस-पेशियां और नसों को मजबूती मिलती है।

संस्कृति : मेनका वर्मा

फुलझर राज्य में भगवान विष्णु का ठाकुरदेव के रूप में मान्यता

ऐतिहासिक : बालचंद जैन

शरभवंशीय-पांडुवंशीय शासन काल में सकल कोसल में संस्कृत भाषा का विशेष महत्व था। यद्यपि लिपि ब्राम्ही, पाली, कुटिल एवं नागरी हुआ करती थी। संस्कृत के गद्य और पद्य के माध्यमों से ताम्रपत्रों द्वारा राजाज्ञा प्रसारित किए जाते थे। उन दिनों श्रीपुर नरेश के अधिनस्थ फुलझर सिंदुरिका राज्य में भी राजधर्म के अनुसार वैष्णव और शैव मतों का विशेष प्रभाव था। वैष्णव धर्म का मूल आशय भगवान विष्णु से संबंधित है। कोसलपति तीवरदेव परम भागवत होने के कारण इन क्षेत्रों में विष्णु के मंदिर नहीं है किन्तु लोक जीवन में व्यापक प्रभाव है। पूर्वकालीन ब्राम्हनों में संभवतः कौण्डिन्य, कापिल्य,कण्व गोत्रिय ब्राम्हनों का यहां निवास था, वर्तमान में निवासरत ब्राम्हनों एवं वैष्णवों का आगमन गोंड शासन काल के अंतिम चरण में हुआ। उनके उत्तरार्ध में पराक्रमी बालार्जुन शैव मत को मानते थे तथा उनका राज चिन्ह नन्दी था। इस प्रकार इस मांडलिक क्षेत्रों में शैव और वैष्णव मत का पर्याप्त प्रभाव था, जो आज भी विद्यमान है। इन क्षेत्रों में ठाकुर देव की सामान्य प्रस्तर खंड के रूप में भक्ति सहित पूजा आराधना की जाती है जो प्रभावशाली माने जाते हैं जिन्हें ठाकुरदिया कहा जाता है। दिया शब्द देव का अपभ्रंश है। छत्तीसगढ़ और उड़ीसा में भगवान को ठाकुर से भी संबोधित किया जाता है। ठाकुर देव की श्वेत पूजा की जाती है तथा ग्रामीण देवता में इनका स्थान सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

छत्तीसगढ़ी कविता का प्रथम पड़ाव

लोक साहित्य : डा. सत्यभामा अड़िल

छत्तीसगढ़ी काव्य जी परंपरा अतिशय प्राचीन है तथा यही परंपरा आधुनिक युग में स्वयं को प्रमाणित भी करती हैं। इस युग में छत्तीसगढ़ी की क्षमता को पूर्ण रूप से आत्मसात करने वालों तथा ठेठ छत्तीसगढ़ी में काव्य का सृजन करने वालों में पं.सुंदरलाल शर्मा का स्थान अद्वितीय है। सुंदर लाल शर्मा बंगला, हिंदी, गुजराती और उर्दू के भी अच्छे जानकार थे। उन्होंने हिंदी और छत्तीसगढ़ी में 21 ग्रंथों की रचना की। इसके बाद के कवियों में जगन्नाथ प्रसाद भानु, कपिल नाथ मिश्र और शुक्लाल प्रसाद पांडेय के नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। जगन्नाथ प्रसाद हिंदी, उर्दू और अंग्रेजी के ज्ञाता थे। हिंदी काव्य शास्त्र में उनकी अच्छी पैठ थी। कपिल नाथ मिश्र की 'खुसरा चिरई के बिहाव' नामक कृति भी एक विशिष्ट रचना है , जिसमें सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ी कि प्रवेशिका प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। शुकलाल प्रसाद पांडेय हिंदी और छत्तीसगढ़ी में लेखन किए। उनकी 'गीयां' और 'छत्तीसगढ़ी ग्राम्य गीत' काफी चर्चित हुए-

हम नई होवन पंडित संडीत तही पढ़े कर आग लुटावा।
ये किताब अऊ गजट सजट ला जीभ लमा के तई हर चाटा।
जनम के हम तो नागर जोतता नई जानन सोला सतरा।
भुरुवा भइसा ता ता ताता ओहि हमर पोथी पतरा।

गांव की कहानी

विष्णु पांडेय

भाट जाति के निवासी गांवों के नामों में भाट

भाट संस्कृति में आबादी से दूर किसी जंगल, टीले या पहाड़ों पर इनका निवास होता था, इस अंचल में उनके लिए प्राकृतिक वातावरण भी मिल गया था। यह भजन कीर्तन करने वाली जाति गांव में दान मांगते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इन्हें भटरी-भाट या बाम्हन कहा जाता है। इस अंचल में अधिकतर गांवों के नाम के साथ भाट लगा हुआ है जैसे-करकाभाट, देवरभाट, पड़कीभाट और साल्हेभाट, जो भाटों की उपस्थिति को प्रमाणित करते हैं।

इतिहास को खंगाले तो समझ आता है कि जहां भाट जाति के लोग रहे होंगे वहां उनके कारण गांव के नाम में भाट जोड़ा गया होगा। इसी परिकल्पना के आधार पर निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि बालोद अंचल के गुरूर क्षेत्र में भाटों की बस्ती रही होगी। पूर्वजों का भी कहना है कि इस अंचल में भाटों का आना जाना लगा रहता था। भाट संस्कृति में आबादी से दूर किसी जंगल, टीले या पहाड़ों पर इनका निवास होता था, इस अंचल में उनके लिए प्राकृतिक वातावरण भी मिल गया था। यह भजन कीर्तन करने वाली जाति गांव में दान मांगते रहे हैं। छत्तीसगढ़ में इन्हें भटरी-भाट या बाम्हन कहा जाता है। इस अंचल में अधिकतर गांवों के नाम के साथ भाट लगा हुआ है जैसे-करकाभाट, देवरभाट, पड़कीभाट और साल्हेभाट, जो भाटों की उपस्थिति को प्रमाणित करते हैं। सभी भाट गांव पास पास ही हैं। साल्हेभाट जंगल में बसा है। भाट लोग किसी निर्धारित स्थान पर तंबू लगाकर कुछ दिन जीवन यापन कर लेते थे। फिर दूसरे दिन सबेरा होने पर आबादी में जाकर दानदाताओं का आश्रय दाताओं का नाम लेकर पुकारते और उनका वंशानुक्रम बताते थे। लोगों को सुनकर आश्चर्य होता था। किसी भी गांव में अपना उद्देश्य पूरा होने पर अन्य गांव की ओर चले जाते थे। इनका एक दोहा भी प्रचलित रहा-

भाट टाट झन भेडरी, हर काहू के होय।
चारण, वारण मानसी, जै गढ़पति के होय।

गायकी के दौरान करताल, चुटकी और पैजना वाद्यों का प्रयोग करते थे, चुटकी लकड़ी से बना होता है, जिसमें चट-चट की आवाज निकलती है। पैजना एड़ी के ऊपर बांधते हैं। यह गोल होता है जिसमें छर्रे भरे होते हैं। अन्य वादयों में चिकारा, सारंगी व खंजेरी साथ में रहता है। ऐसा माना जाता है कि भाट लोग मराठों के साथ आए होंगे और गुरूर क्षेत्र में बस गए होंगे। छत्तीसगढ़ में धमतरी, कांकेर, धमधा, नवागांव, अकलतरा और पिथौरा में इन्होंने अपना स्थाई घर बना लिया है।

आंचलिक विवाह में सुहाग गीत की विशेषता

छत्तीसगढ़ अंचल में वर-वधु के विवाह के समय कई रस्मों को विधिवत संपन्न किया जाता है। कई रस्में वर और वधु के लिए अलग-अलग होते हैं। देखा जाए तो कन्या के विवाह में फेरे लेते समय जो गीत गाए जाते हैं उसे कुम्हारिन या बरेठिन गीत के माध्यम से कन्या को सदा सुहागिन रहने की कामना का असीस देते रहते हैं और इस नेंग का इस समय निर्वहन होता रहता है। यह लोकगीत इस मार्मिक अवसर पर जीवंत और मधुर लगने लगता है-

संस्कृति : डॉ. रमाकांत सोनी

कवने राय के पियरी सोहागिन
सोहागिन धियरी सोहाग मांगे हो
आले बांस के डोलना चंदन लागे डड़ियां
अलिन गलिन फिरय धियरी कवने दे
सोहागिन सोहाग जनम अहवात मांगय होआले...
अलिन गलिन फिरय धियरी कवने दे
पूछथे बरेठिन के द्वार
सोहागिन धियरी सोहाग मांगय हो
सबके सुहाग बहिनी अइसन तइसन
बरेठिन के सोहाग जनम अहवात मांगय हो

उपरोक्त सोहाग गीत में समरसता एवं अन्य जातियों के प्रति उदार भावना परिलक्षित होती है। यही वजह है कि वधू को कुम्हारिन या बरेठिन यहां ले जाकर उससे अहवात की कामना की जाती थी। गीत में राय शब्द को संबोधन वधू के पिता के लिए सम्मान सूचक है जो बिहाव गीतों में कई जगह प्रयुक्त हुआ है।

कड़ी मेहनत से मिलती है कामयाबी

कहते हैं ना यदि अपने आप पर विश्वास हो तो पूरी दुनिया आपके मुठ्ठी में होती हैं। जिन्दगी में न जाने कितने दु:ख तकलीफ आते हैं लेकिन जो इन परिस्थितियों में अपने आपको ढ़ाल लेता है वही जीवन को एक नई दिशा की ओर मोड़ लेता है। ऐसे ही कहानी है दिल्ली त्रिनगर निवासी अनिकेत चौहान की। जिसने कभी नहीं सोचा था कि इंडिया बेस्ट डांसर सीजन-3 में ऑडिशन के भीषण दौर में मेगा ऑडिशन के बाद इस डांस शो के हिस्सा बनेगा। आपको बता दें कि अनिकेत को बचपन से ही डासिंग का शौक था अपने स्कूल के दिनों कई अवार्ड जीत चुका चाहे वे स्कूल - स्टेट लेवल हर जगह डासिंग से अपना परचम लहराया है। हालांकि उसके माता-पिता इतने अमीर तो नहीं हैं कि किसी डासिंग स्कूल में भेज कर डांस सिखा सकते थे। लेकिन उसकी मेहत और कामयाबी में ने इस मंच तक आने में मदद किया। इसके बाद मुंबईमें टी.वी. राउंड हुआ जिसमें अनिकेत ने अपने परफोमेन्स देकर तीनों जजों को हैरान कर दिया। और तीनों ने स्टेण्डिंग ओवेशन के बाद निर्णय लेकर बैस्ट 12 में शामिल किया जो कि इंडिया बैस्ट डांसर के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। ●

छात्रों के लिए यह है बेहतर करियर ऑप्शंस

कई बार छात्र जल्दी से जल्दी कमाई शुरू करना चाहते हैं और ऐसे करियर ऑप्शंस की तलाश में रहते हैं जहां पर उनकी ये जरूरत पूरी हो सके. हालांकि ये क्लास बहुत छोटी होती है और संभावना हो तो आगे पढ़ाई जरूर करनी चाहिए लेकिन अगर कोई भी विकल्प न बचे और पैसा कमाना प्राथमिकता बन जाए तो इन ऑप्शन में से चुन सकते हैं। यहां कुछ करियर ऑप्शंस की सूची दी जा रही है, आप इनमें से अपनी रुचि, योग्यता और जरूरत के मुताबिक चुनाव कर सकते हैं।

इंडियन आर्मी

ये एक ऐसा ऑप्शन है जहां कम पढ़ाई के बाद भी अच्छा कैरियर बनाया जा सकता है, जहां रुतबा भी है, पैसा भी है और पढ़ाई पूरी न होने से कोई समस्या भी नहीं। इस फील्ड में किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास करने वाले कैंडिडेट्स एंट्री कर सकते हैं। सेलेक्ट होने पर वे कई पद पर काम कर सकते हैं जैसे सोल्जर क्लर्क, जनरल ड्यूटी, टेक्निकल आदि।

डीईओ

अगर आपको कंप्यूटर पर घंटों काम करने में कोई तकलीफ नहीं है तो इस ऑप्शन को सेलेक्ट कर सकते हैं। डेटा एंट्री ऑपरेटर के काम के लिए ज्यादा पढ़ाई की जरूरत नहीं है और इसे भी किसी भी स्ट्रीम का स्टूडेंट ज्वॉइन कर सकता है। हालांकि कॉमर्स वालों को इसमें महत्व दिया जाता है। इसके बाद आप एकाउंट्स, क्लर्क, ऑफिस एडमिनिस्ट्रेटर जैसे कई पद पर काम कर सकते हैं।

सेल्स और मार्केटिंग

ये एक ऐसी फील्ड है जिसमें कम पढ़ाई के बाद भी प्रवेश पा सकते हैं। यहां भी किसी भी स्ट्रीम के कैंडिडेट के लिए प्रवेश के रास्ते खुले रहते हैं। आप इस क्षेत्र में आने के बाद कस्टमर सपोर्ट, सेल्स एग्जीक्यूटिव, डिजिटल मार्केटर आदि बहुत से पद पर काम कर सकते हैं। अगर रुचि हो तो इस फील्ड में एंट्री कर सकते हैं।

इंडियन रेलवे

इंडियन रेलवे में भी ऐसी बहुत सी नौकरियां निकलती हैं जिनके लिए योग्यता केवल 12वीं पास होती है। आप समय-समय पर निकलने वाली इन वैकेंसी पर नजर रखें और आवेदन करें। रेलवे में बड़ी संख्या में लोग आवेदन करते हैं लेकिन यहां की नौकरी की बात ही कुछ और होती है। एक बार जॉब मिल जाने पर आगे समस्या नहीं आती। ●

करियर को नया मोड़ दे सकती है वेब दुनिया

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि इंटरनेट आज हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा बन गया है। चाहे मनोरंजन की बात हो या फिर बेहतरीन करियर की, इंटरनेट के जरिए कारोबार फैला है, दुनिया सिमटी है और तरक्की एक अंगुली तक सीमित हो गयी है। इंटरनेट की बदौलत आज हर असंभव काम संभव हो सका है। आलम यह है कि इंटरनेट के जरिए तमाम लोगों का करियर मजबूत हुआ है। अगर हम कहें कि वेब की दुनिया में मजबूत करियर छिपा है तो कतई गलत नहीं होगा।

वर्तमान ही नहीं, भविष्य में भी सकारात्मक

इंटरनेट पर बढ़ते कारोबार ने वेब डिजाइनरों एवं वेब डेवलपर्स की मांग बढ़ाई है। विशेषज्ञों की मानें तो इस क्षेत्र को भविष्य की संभावना के रूप में देखा जा रहा है। इंटरनेट की ही बदौलत व्यापार के तौर-तरीके बदलते हैं। इंटरनेट से सिर्फ वर्तमान ही नहीं, भविष्य भी सकारात्मक रूप से बदल रहा है। इन दिनों ज्यादातर बिजनेस इकाइयां वेब पेज डेवलप कर रही हैं और इसी के माध्यम से आपस में संवाद भी हो रहे हैं।

ऐसे काम करता है वेब डिजाइनर

सूचना क्रांति के इस युग में तो यह सभी प्रकार के बिजनेस में अनिवार्य टूल बन गया है। यही कारण है कि वेब डिजाइनर एंड डेवलपर की मांग आज सबसे अधिक है। विशेषज्ञों के मुताबिक, 'वेब डिजाइनर मूलत: वेबसाइट के निर्माण, विकास एवं रखरखाव से संबद्ध होते हैं।' हालांकि वेब डिजाइनर एवं वेब डेवलपर में कई विभिन्नताएं हैं। वेब डिजाइनर अपनी क्रिएटिविटी एवं कलात्मक क्षमताओं के आधार पर वेबसाइट का निर्माण करते हैं जबकि वेब डेवलपर मूलत: प्रोग्रामर होता है जो वेबसाइट को प्रोफेशनल क्रियात्मक स्वरूप प्रदान करता है।

जरूरी क्रिएटिव

अगर आप रचनात्मक हैं तो वेब डिजाइनिंग का क्षेत्र आपकी राह ताके बैठा है। जो लोग कठिन टेक्नोलाजी से ज्यादा ताल्लुक रखते हैं वे वेब डेवलपर बन या वेब डिजाइनर बन सकते हैं। हालांकि ये दोनों क्षेत्रा एक-दूसरे के पूरक हैं और किसी व्यक्ति में दोनों क्षेत्रों की खासियतें भी हो सकती हैं क्योंकि दोनों ही क्षेत्र समान रूप से चुनौतीपूर्ण हैं।

चुनौतीपूर्ण है ये क्षेत्र

इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले व्यक्ति को इस बात की पुष्टि कर लेनी चाहिए कि आप निरंतर बदल रहे टेक्नोलॉजी से लैस रहेंगे। अपनी इसी खासियत के कारण यह एक चुनौतीपूर्ण काम भी है। पेज निर्माण में यह भी ध्यान रखना होता है कि वह साइट के थीम के अनुरूप हो और उसके संदेश एवं लक्ष्य को मुखरता से पेश कर सके। उसमें नैविगेबिलिटी के गुण भी होने चाहिएं जिससे साइट यूजर फ्रैंडली बन सके।

करियर बनाने के लिए जरूरी है एचटीएमएल का ज्ञान

इस क्षेत्र में करियर बनाने की ओर आपका सबसे पहला कदम- एचटीएमएल का सीखना है। यह प्रोग्रामिंग लैंग्वेज नहीं है, बल्कि साधारण फारमेटिंग लैंग्वेज है जिससे पेज के ले-आऊट को बनाने में मदद मिलती है। प्रोग्रामिंग में अधिक सहायता के लिए आज जावा, डीएचटीएमएल, सीजीआई स्क्रिप्टिंग, एएसपी, वीबी स्क्रिप्ट और अन्य ई-कामर्स से संबंधित विशेषताओं का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। ●

सफल प्लानिंग पर बेहतर भविष्य

भावी करियर प्लानिंग के लिए स्टूडेंट को दो बातों की जानकारी होना जरूरी है। पहली अपनी रुचि और दूसरी अपनी क्षमताएं। इन्हीं दो बातों को मूल आधार बनाया जाना चाहिए। बाकि चीजों के बारे में इसके बाद सोचना चाहिए।

जब एक बार यह स्पष्ट हो जाए कि रुचि का विषय या क्षेत्र ये हैं तो फिर इस बारे में सोचना चाहिए कि उससे संबंधित पढ़ाई की सुविधा कहां-कहां है?

अपनी रुचियों और क्षमताओं को लेकर यदि किसी छात्र में कोई उलझन महसूस हो तो उसे साइकोलाजिकल टैस्टिंग करवानी चाहिए। मनोवैज्ञानिक परीक्षण और काउंसलिंग एक-दो घंटे के कुछ सैशन में पूरी हो जाती है। बच्चे से उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, माता-पिता की पढ़ाई-लिखाई, हाबीज आदि के बारे में सवाल पूछे जाते हैं। फिर देखा जाता है कि उसकी पर्सनैलिटी आखिर किस टाइप की है? वह खतरे वाले काम पसंद करता है, गुस्सैल है या विद्रोही है। उसकी स्टडी हैबिट्स के बारे में जाना जाता है। आपकी डिग्री या डिप्लोमा पूरे जीवन सफलता की गारंटी नहीं दे सकता। सर्टिफिकेट महज पहला जाब पाने के लिए जरूरी होते हैं। आगे की कामयाबी और तरक्की आपकी वोकेशनल स्किल्स, काम पर पकड़, काम में रुचि और प्रोफेशनल एटीट्यूड पर निर्भर करता है। कामयाब कैरियर के लिए जरूरी है कि आप भी शुरुआत में ही इसे तय कर लें। अपना एक लक्ष्य निर्धारित करें। उस तक जाने वाले मार्ग का पता लगाएं और फिर अपनी पूरी शक्ति और परिश्रम से उसकी ओर बढ़ जाएं। अपनी योग्यता के अनुसार ही कैरियर का चुनाव करें न कि इसलिए करें कि अन्य स्टूडेंट भी किसी विशेष करियर या खास विषय का चुनाव कर रहे हैं।

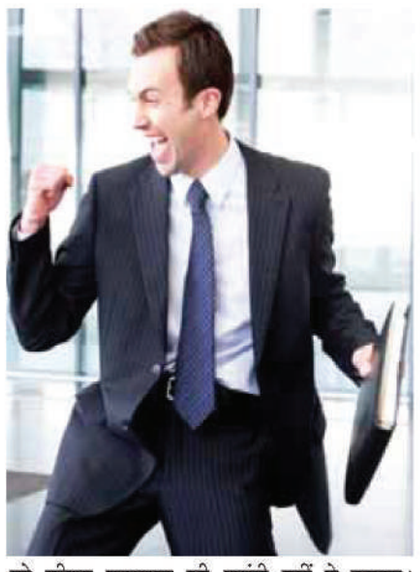

कैरियर के निर्माण में व्यक्तित्व और सोच की प्रमुख भूमिका होती है। घर वालों और मित्रों आदि की मदद से अपने गुण-दोषों का पता लगाकर व्यावहारिक निर्णय लेना चाहिए। मसलन यदि आपकी रुचि मशीनों और औजारों के साथ काम करने में अधिक है तो आपको मैकेनिक्स, कंस्ट्रक्शन अथवा इंजीनियरिंग आदि क्षेत्रों में कैरियर का चयन करना चाहिए। ●

12वीं में बने हैं कम परसेंटेज,अच्छे कॉलेज में दाखिला लेने में मदद करेंगे ये टिप्स

आप भी उन स्टूडेंट्स में शामिल हैं, जिनके किसी कारण से 12वीं में अच्छे नंबर नहीं आ पाए हैं तो यह खबर आपके बेहद काम की है। अब अच्छे कॉलेजों में एडमिशन पाने के लिए 12वीं के नंबरों के बजाय सीयूईटी के स्कोर को अहमियत दी जाती है। बस सीयूईटी में अच्छा स्कोर पाने के लिए तैयारी करें। परीक्षा में कितना भी कुछ कर लें, लेकिन अंत में समय कम पड़ ही जाता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो यहां हम आपको कुछ टिप्स बता रहे हैं जो आपके काम आ सकते हैं।

हड़बड़ी न करें

परीक्षा में जब भी आपके हाथ में पेपर आए तो जल्दबाजी बिल्कुल न करें। पेपर में दिए सभी निर्देश और फिर आगे बढ़ें। हर क्वैश्चन को ठीक से पढ़ने के बाद ही उसे सॉल्व करना शुरू करें। कई बार पूछा कुछ गया होता है और लोग हड़बड़ी में कुछ और लिखकर आ जाते हैं।

ऐसे तय करें समय

पेपर हल करते समय सबसे पहले पेपर के सेक्शन में बांट लें। उसके हिसाब से तय करें कि किस सेक्शन में कितना समय देना है। जब लगे समय पूरा होने वाला है और वह सेक्शन पूरा नहीं हुआ है तो उसे वहीं छोड़ दें। बड़े और ज्यादा नंबर वाले सवाल को पहले हल कर लें। हालांकि, कोशिश पूरी करें कि कुछ न छूटे।

शुरुआत से स्पीड सही होनी चाहिए

स्टूडेंट्स शुरू में कछुआ और अंत में खरगोश बनने से बचें। इसका मतलब है ज्यादातर छात्र शुरू में तो बड़े आराम से लिखते हैं और आखिर में आते-आते स्पीड तो बढ़ा लेते हैं, लेकिन क्या लिखा है ये वो खुद भी नहीं बता सकते। सवाल कुछ होता है है और आप जल्दी में आंसर कुछ और लिख देते हैं। ऐसे में शुरू से ही स्पीड मेंटेन रखे।

रिवीजन जरूर करें

हर प्रश्न को तय समय में ही पूरा करने की कोशिश करें। अगर ऐसा नहीं कर पाते हैं तो उसे वहीं छोड़ दें। अब जो सेक्शन आता है उसे ही हल करें। पेपर में दिए गए जो सवाल आपको अच्छे से आते हैं, वे किसी भी हाल नहीं छूटने चाहिए। इसके बाद रिवीजन का समय जरूर बचाएं, क्योंकि ये सबसे ज्यादा जरूरी पाइंट है। ●

होम वर्क से न हो परेशान इस तरह करें समाधान

आज के समय में अधिकतर लोग एकांकी जीवन जीते हैं। उसमें भी ज्यादातर माता-पिता कामकाजी होते हैं, ऐसे में बच्चों को नियमित होमवर्क कराना एक बड़ी टेंशन है। अगर गृहणियों की बात करें तो उनके लिए भी बच्चों को एक स्थान पर बैठा कर होमवर्क कराना कोई आसान नहीं है। यहां हम आपको होमवर्क को कैसे इंट्रेस्टिंग बनाकर पूरा करवाएं उसके लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं।

- अगर पैरेंटस बच्चों को नियमित होमवर्क करने की आदत प्रारंभ से डाल दें तो बच्चे उसे अपनी पढ़ाई का एक भाग मानना शुरू कर देते हैं। बच्चों को बताया जाए कि होमवर्क नियमित करना उनके लिए इसलिए जरूरी है ताकि वे क्लास में कराई पढ़ाई को दोहरा सकें और थोड़ा एक्सट्रा पढ़ कर अपना ज्ञान आगे बढ़ा सकें।
- बच्चा अगर होमवर्क करते समय चिड़चिड़ करता है या उग्र हो जाता है तो उससे बात करें, कारण जानें। तब भी बच्चा आपको सहयोग नहीं कर पा रहा तो टीचर से मिलें और काउंसलर से मिलकर मदद लें।
- माता-पिता बच्चों के पहले शिक्षक होते हैं, इसलिए होमवर्क में भी उनका सहयोग और मार्गदर्शन बच्चों के लिए जरूरी है।
- बच्चों के लिए होमवर्क करने का समय निश्चित करें अगर आप कामकाजी हैं तो आने के बाद समय बांधें तथा लगातार उस पर नजर बनाएं रखें और मदद करें। ●

GENERAL KNOWLEDGE

दुनिया के इस देश में पाए जाते हैं नीले रंग के केले

आज हम आपको जनरल नॉलेज के कुछ ऐसे ही सवालों के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें जानकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

-किस सुल्तान ने अपनी राजधानी दिल्ली से दौलताबाद स्थानान्तरित की?

उत्तर- मोहम्मद बिन तुगलक

-प्रथम पंचवर्षीय योजना कब प्रारंभ हुई?

उत्तर-1951 में

-चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया?

उत्तर-नालन्दा

-कौनसा रक्त समूह सर्वदाता कहलाता है?

उत्तर- ओ

-मनुष्य के शरीर में कितनी हड्डियां होती है?

उत्तर- 206

-सूर्य के प्रकाश से कौनसा विटामिन प्राप्त होता है?

उत्तर- विटामिन D

-दुनिया में किस देश में नीले रंग के केले पाए जाते हैं?

उत्तर- हवाई, साउथ ईस्ट एशिया और सेंट्रल अमेरिका के कुछ हिस्सों में नीले रंग के केले उगाए जाते हैं।

-मादा एनाफ्लीज मच्छर के काटने से कौनसा रोग होता है?

उत्तर-मलेरिया

-टेलीफोन का आविष्कार किसने किया था?

उत्तर- अलेक्जेंडर ग्राहम बेल

-प्रकाश की गति कितनी होती है?

उत्तर-300000 कि.मी./ सेकंड

-पृथ्वी सूर्य का चक्कर लगाती है यह सबसे पहले किसने बताया ?

उत्तर- कोपरनिकस

-प्रकाश वर्ष का सम्बन्ध किससे है ?

उत्तर - खगोलीय दूरी

-स्वर्ण मंदिर कहां स्थित है ?

उत्तर - अमृतसर

-चारमीनार कहां स्थित है?

उत्तर-हैदराबाद

-कुतुबमीनार कहां स्थित है?

उत्तर- दिल्ली

-गेटवे आफ इंडिया कहां स्थित है?

उत्तर-मुंबई

-इंडिया गेट कहां स्थित है?

उत्तर-नई दिल्ली

-'आजाद हिन्द फौज की स्थापना कहां की गई?

उत्तर- सिंगापुर ●

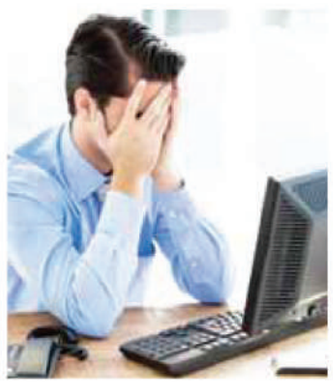

ऑफिस में भूलकर भी ना करें ये गलतियां

ऑफिस में काम करते समय हम अनेक गलतियां कर देते हैं, जो कि हमारे काम की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचाती हैं। कुछ ऐसी गलतियां हैं जो हमें नहीं करनी चाहिए।

समय पर नहीं आना-ऑफिस में समय पर पहुंचना बहुत जरूरी होता है। अगर आप समय पर नहीं पहुंचते हैं तो यह आपके समूह या टीम में असमंजस का कारण बन सकता है।

फोन चलाना - ऑफिस में अपने मोबाइल फोन का इस्तेमाल बहुत जरूरी होता है, लेकिन यहां अनावश्यक फोन कॉल्स लेना या मैसेज सेंड करना आपके काम की गुणवत्ता को नुकसान पहुंचा सकता है।

नियमों का पालन नहीं करना- आपको ऑफिस के नियमों का पालन करना चाहिए। यदि आप नियमों का पालन नहीं करते हैं तो यह आपके समूह या टीम के लिए असमंजस का कारण बन सकता है।

असंगठित काम करना-

ऑफिस में काम करते समय आपको असंगठित काम नहीं करना चाहिए। यदि आप असंगठित काम करते हैं तो आपके काम की गुणवत्ता पर असर पड़े।

लंबे अवधि तक बैठना-

लंबे समय तक बैठना आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है और इससे आपका काम भी प्रभावित होता है। इसलिए नियमित अंतरालों में थोड़ा व्यायाम करना आवश्यक होता है। ●

वर्ल्ड कप स्विटजरलैंड ने फिलीपीन को हराया

एजेंसी ▶▶| डुनेडिन

स्विटरलैंड ने महिला विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप ए के अपने पहले मैच में फिलीपीन को एकतरफा मुकाबले में 2-0 से हरा दिया। स्विटजरलैंड के लिए रमोना बाकमैन ने हाफटाइम से पहले गोल किया जबकि सेराइना पीयूबेल ने दूसरे हाफ में बढ़त दोगुनी कर दी।

डुनेडिन के फोरसिथ बार स्टेडियम में यह पहला मैच था जो टूर्नामेंट का एकमात्र इंडोर स्टेडियम है। इसे देखने के लिए 13711 दर्शक मौजूद थे। इस जीत के साथ स्विटजरलैंड और न्यूजीलैंड ग्रुप ए में शीर्ष पर हैं और दोनों की अंतिम 16 में पहुंचने की संभावना प्रबल है। फिलीपीन टीम पहली बार विश्व कप खेल रही है और उसके रास्ते अब कठिन हो गए हैं। स्विटजरलैंड का सामना अब नॉर्वे से होगा जिसे पहले मैच में सह मेजबान न्यूजीलैंड ने हराया। वहीं फिलीपीन की टक्कर न्यूजीलैंड से होगी।

न्यूजीलैंड की पहली जीत के बाद जश्न का माहौल

आकलैंड। सह मेजबान न्यूजीलैंड की महिला फुटबॉल टीम ने विश्व कप में पहली जीत दर्ज करते हुए ग्रुप ए में नॉर्वे जैसी मजबूत टीम को 1-0 से हराया और इसके बाद पूरे देश में मानों जश्न का माहौल है। अभी तक कीवी टीम महिला विश्व कप फुटबॉल में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी थी। अब जीत के साथ आगाज करके उसने नॉकआउट में प्रवेश का मार्ग प्रशस्त कर लिया है। न्यूजीलैंड में पहली बार एक फुटबॉल मैच देखने के लिए 42000 से अधिक दर्शक स्टेडियम में पहुंचे। प्रधानमंत्री क्रिस हिपकिंस ने लॉकर रूम में जाकर खिलाड़ियों को बधाई दी।

स्पेन ने कोस्टा रिका को 3-0 से दी मात

वेलिंगटन। स्पेन ने पहले हाफ में चार मिनट के अंदर तीन गोल करके महिला फुटबॉल विश्व कप मुकाबले में कोस्टा रिका पर 3-0 से जीत हासिल की। स्पेन की दो बार की 'बलोन डि ओर' विजेता एलेक्सिस पुतेलास 77वें मिनट में मैदान में उतरी लेकिन तब तक टीम की जीत सुनिश्चित हो चुकी थी। स्पेन ने वालेरिया डे कैम्पो के 21वें मिनट में आत्मघाती गोल की मदद से बढ़त हासिल की। फिर ऐताना बोनमाटी ने 23वें और ईस्थर गोंजालेज ने 27वें मिनट में गोल कर अपनी टीम को 3-0 से आगे कर दिया और यह बढ़त अंत तक बरकरार रही।

कनाडा को नाइजीरिया ने ड्रॉ पर रोका

मेलबर्न। ओलंपिक चैंपियन कनाडा को महिला विश्व कप फुटबॉल के पहले मैच में नाइजीरिया ने गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया। नाइजीरिया की गोलकीपर चियामाका नाडोजी ने कई गोल बचाए जिनमें क्रिस्टीन सिनक्लेयर की पेनल्टी शामिल है। कनाडा के लिए अंतरराष्ट्रीय पुरुष या महिला फुटबॉल में सर्वाधिक 190 गोल कर चुकी 40 वर्ष की सिनक्लेयर ने नौवें मिनट में भी गोल करने का एक मौका गंवाया जब उनका शॉट बॉक्स से टकरा गया। चियामाका को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

खबर संक्षेप

18 वर्ष की क्रिकेटर आयशा का संन्यास

कराची। एक समय वसीम अकरम ने उन्हें काफी प्रतिभाशाली करार दिया था लेकिन पाकिस्तान की 18 वर्ष की क्रिकेटर आयशा नसीम ने इस्लाम की सेवा के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। आक्रामक बल्लेबाज आयशा ने उस उम्र में खेल से नाता तोड़ा जब अधिकांश खिलाड़ी कॅरियर की शुरुआत करते हैं। पाकिस्तानी महिला टीम की कप्तान निदा दर और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने उन्हें मनाने की काफी कोशिशें की जो नाकाम रहीं।

पुरुषों के लिए अंडर-20 चैंपियनशिप होगा शुरू

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने अपनी प्रतियोगिता समिति से सलाह मशविरा करने के बाद पुरुषों के

लिए अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप शुरु करने का फैसला किया है। टूर्नामेंट प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जायेगा जिसे अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप कहा जायेगा। पहली चैंपियनशिप जनवरी-फरवरी 2024 में कराई जाएगी। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने अंडर-20 चैंपियनशिप शुरु करने की घोषणा करते हुए कहा, 'हम अपने तकनीकी विभाग और प्रतियोगिता समिति के साथ काफी चर्चा के बाद इस टूर्नामेंट को आरंभ कर रहे हैं।'

बंद दरवाजों के पीछे ट्रायल का आयोजन

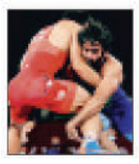

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक समिति द्वारा नियुक्त तदर्थ समिति ने शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी स्टेडियम में कुछ पहलवानों के

माता-पिता की पैनल के सदस्यों के साथ तीखी बहस के बाद एशियाई खेलों की कुश्ती ट्रायल बंद दरवाजों के पीछे आयोजित करने का फैसला किया है। ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और विश्व पदक विजेता विनेश फोगाट को दी गई छूट के मुद्दे पर कुछ पहलवानों और उनके अभिभावकों की तदर्थ समिति के सदस्यों के साथ नोकझोंक हुई। पहलवानों और उनके अभिभावकों ने इसके विरोध में ट्रायल का बहिष्कार करने की धमकी दी।

भारतीय पुरुष टीम ने जीता रजत पदक

नई दिल्ली। समीर, राजकंवर सिंह संधू और महेश आनंदकुमार की भारतीय तिकड़ी ने शुक्रवार को कोरिया के चांगवोन में अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता। प्रतियोगिता के छठे दिन भारतीय निशानेबाजों ने कुल 1730 अंक हासिल किए और चीन (1747 अंक) के बाद दूसरे स्थान पर रहा। चीन ने इस स्कोर के साथ मौजूदा जूनियर विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

क्रिकेट : दो मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे है टीम इंडिया

कोहली ने जड़ा 29वां टेस्ट शतक भारत पहली पारी में 438 पर आउट

एजेंसी ▶▶| पोर्ट ऑफ स्पेन

वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को चाय से पहले भारत की पहली पारी 438 रन पर सिमट गई।

भारतीय पारी का आकर्षण विराट कोहली के टेस्ट कॅरियर का 29वां शतक रहा। उन्होंने 121 रन की शानदार पारी के साथ अपने अंतरराष्ट्रीय कॅरियर के 500वें मैच को यादगार बनाया। हरफनमौला रविंद्र जडेजा ने 61 और रविचंद्रन अश्विन ने 56 रन का योगदान दिया। वेस्टइंडीज की ओर से केमार रोच और जोमेल वरिकन ने तीन-तीन जबकि जेसन होल्डर ने दो विकेट लिए।

कोहली 500वें अंतरराष्ट्रीय मैच में शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। उनसे पहले नौ खिलाड़ियों ने 500 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, लेकिन कोई भी 48 से ज्यादा स्कोर नहीं बना पाया था। यह तीनों फॉर्मेट मिलाकर विराट का 76वां शतक है। वनडे में वह 46 और टी20 में एक शतक लगा चुके हैं। रवींद्र जडेजा ने 105 गेंदों पर टेस्ट कॅरियर का 19वां अर्धशतक पूरा किया। अर्धशतक लगाने के बाद जडेजा ने ट्रेडमार्क तलवारबाजी के अंदाज में बल्ला घुमाकर जश्न मनाया।

विराट का 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच

यह विराट का 500वां अंतरराष्ट्रीय मैच है। वह इस मुकाम को छूने वाले भारत के चौथे और ओवरऑल 10वें क्रिकेटर हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर (664), महेला जयवर्धने (652), कुमार संगकारा (594), सनथ जयसूर्या (586), रिकी पोंटिंग (560), महेंद्र सिंह धोनी (538), शाहिद अफरीदी (524), जैक कैलिस (519) और राहुल द्रविड़ (509) ऐसा कर चुके हैं।

विराट ने की ब्रैडमैन की बराबरी

विराट कोहली ने टेस्ट शतकों के मामले में ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन की बराबरी कर ली है। ब्रैडमैन ने भी 29 शतक ही जमाए थे। दुनिया में कुल 15 बल्लेबाजों ने ही इससे ज्यादा शतक जमाए हैं। सचिन तेंदुलकर 51 टेस्ट शतक के साथ पहले स्थान पर हैं। भारतीय बल्लेबाजों में सचिन के अलावा राहुल द्रविड़ (36 शतक) और सुनील गावस्कर (34 शतक) ने ही विराट कोहली से ज्यादा शतक जमाए हैं।

विदेश से 55 महीने बाद आया शतक

विराट कोहली के टेस्ट में शतक का इंतजार इसी साल अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ समाप्त हुआ था। 2019 के बाद विराट ने 2023 में टेस्ट क्रिकेट में शतक लगाया था। एक इंतजार और भी ज्यादा लंबा था, जो आज पूरा हो गया। घर के बाहर विराट कोहली ने आखिरी शतक 2018 में लगाया था। दिसंबर 2018 में विराट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ स्टेडियम पर शतक ठोका था। अब वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट ऑफ स्पेन में विराट ने शतक लगा दिया है। विदेश में टेस्ट शतक लगाने के लिए विराट को 1678 दिन का इंतजार करना पड़ा।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी का मैकेंजी बो होल्डर	57	74	9	1
रोहित शर्मा बो वारिकन	80	143	9	2
गिल का डा सिल्वा बो रोच	10	12	2	0
विराट कोहली रन आउट	121	206	11	0
अजिंक्य रहाणे बो गैब्रियल	08	36	0	0
जडेजा का डा सिल्वा बो रोच	61	152	5	0
किशन का डा सिल्वा बो होल्डर	25	37	4	0
रविचंद्रन अश्विन बो रोच	56	78	8	0
उनादकट स्ट. सिल्वा बो वारिकन	07	26	0	0
सिराज पगबाधा वारिकन	00	11	0	0
मुकेश कुमार नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 13, कुल : 128 ओवर में 438/10

गेंदबाजी : रोच 22-2-104-3, जोसेफ 22-0-97-0, गैब्रियल 18-0-74-1, वारिकन 39-7-89-3, होल्डर21-3-57-2, एथनाजे 4-0-12-0, ब्रेथवेट2-1-1-0.

केवी 39 जीटीसी में 52वीं संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य बैरिस्टर पाण्डेय ने किया

प्रखर वाराणसी। केन्द्रीय विद्यालय वाराणसी कैण्ट में 52 वें संभागीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन दिनाँक 22 से 24 जुलाई 2023 तक सम्पन्न होगा। तीन दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य बैरिस्टर पाण्डेय द्वारा किया गया। क्रीड़ा प्रभारी मनिंदर सिंह ने बताया कि वाराणसी संभाग के विभिन्न विद्यालयों से कई टीमें अलग-अलग खेल-कूद प्रतियोगिता तीरंदाजी, निशानेबाजी, रोप स्कीपिंग, खो-खो एवं कबड्डी में प्रतिभाग करने हेतु विद्यालय में कल ही आ गई है। कबड्डी प्रतियोगिता में आज उद्घाटन मैच के. वि. बलिया और के. वि. चेरो सलेमपुर के बीच हुआ, जिसमें चेरो सलेमपुर विजयी रही। खो-खो मैच के प्रथम मुकाबिला के.वि.गोंडा और के. वि.आई टी आई, मनकापुर के बीच हुआ, जिसमें के.वि.गोंडा विजयी रही। सर्वश्री एम हसन , के.के.सिंह, हरि शंकर यादव, पंकज कुमार शर्मा, इमरान अंसारी, राजबली सिंह, के.एन.तिवारी, राम व्यास कुरील, भारत जी शुक्ल, आनंद कुमार सिंह, विजय सिंह, अभिषेक कुमार राय,शुभम पुंडीर आदि ने प्रतियोगिता में अपना योगदान दिया।

भारत ए ने बांग्लादेश को हराया पाक से होगा खिताबी मुकाबला

- एमर्जिंग एशिया कप : 51 रन से जीते मुकाबला

एजेंसी ▶▶| कोलंबो

भारत ए ने शुक्रवार को यहां सेमीफाइनल में बांग्लादेश ए को 51 रन से हराकर एमर्जिंग एशिया कप के फाइनल में प्रवेश किया जिसमें यश धुल की टीम का सामना पाकिस्तान ए से होगा।

बांग्लादेश ने भारतीय टीम को बल्लेबाजी का न्योता देने के बाद 211 रन के स्कोर पर समेट दिया जिसमें कप्तान धुल ने 85 गेंद में 66 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। लेकिन भारतीय स्पिनरों ने पिच का फायदा उठाते हुए बांग्लादेश ए को महज 160 रन के अंदर समेटकर जीत हासिल की। बाएं हाथ के स्पिनर निशांत सिंधू ने 20 रन देकर पांच विकेट झटके जिससे बांग्लादेश का पतन शुरु हुआ। दिल्ली के युवा बल्लेबाज धुल 19वें ओवर में क्रीज पर उतरे जब स्कोर दो विकेट पर 75 रन था। फिर इस खिलाड़ी ने संयमित बल्लेबाजी कर टीम को 200 रन के स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। धुल 50वें ओवर में आउट होने वाले अंतिम खिलाड़ी रहे।

एशियाड ट्रायल में छूट पर आज फैसला देगी अदालत

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल से मिली छूट को चुनौती देने वाली याचिका पर 22 जुलाई को फैसला सुनाया जाएगा। न्यायाधीश सुब्रहमण्यम प्रसाद ने अंडर 20 विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल और अंडर 23 एशियाई चैंपियन सुजीत कलकल की याचिका पर शुक्रवार को फैसला सुरक्षित रखा। उन्होंने कार्यवाही के दौरान कहा, 'अदालत का काम यह पता लगाना नहीं है कि कौन बेहतर है। हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि प्रक्रिया का पालन हुआ या नहीं।'

ऑस्ट्रेलियाई टीम पर चौथे टेस्ट में पारी से हार का खतरा मंडराया

- पहली पारी में इंग्लैंड ने बनाए 592 रन

एजेंसी ▶▶| मैनचेस्टर

एशेज सीरीज का चौथा टेस्ट रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 317 रन बनाए थे। जवाब में इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 592 रन बनाए और 275 रन की बढ़त हासिल की। शुक्रवार को दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 113 रन बना लिए हैं। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलियाई टीम इंग्लैंड से अब भी 162 रन पीछे है। उस पर पारी से हार का खतरा मंडरा रहा है। मार्नल लाबुशेन 44 रन और मिचेल मार्श एक रन बनाकर नाबाद हैं। अब तक एशेज में इंग्लैंड ने पहली पारी में 12 बार ऑस्ट्रेलिया पर 200+ रन की लीड हासिल की है। इन सभी 12 मैचों में इंग्लैंड की टीम ने जीत हासिल की। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत खराब रही। 54 रन तक टीम ने दोनों ओपनर्स के विकेट गंवा दिए थे। उस्मान ख्वाजा 18 रन और डेविड वॉर्नर 28 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद स्टीव स्मिथ भी कुछ खास नहीं कर सके और 17 रन बनाकर पवेलियन चलते बने। ट्रेविस हेड भी एक रन बनाकर आउट हो गए।

चोटिल खिलाड़ियों पर आया बीसीसीआई का अपडेट

पंत ने नेट्स पर शुरू की बैटिंग, बुमराह भी तैयार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के 5 खिलाड़ी अभी चोटिल चल रहे हैं। इसमें जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, प्रसिद्ध कृष्णा, ऋषभ पंत और श्रेयस अय्यर शामिल हैं।

ये सभी नेशनल क्रिकेट एकेडमी में अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। इन सभी की फिटनेस पर बीसीसीआई की तरफ से जानकारी दी गई है। बोर्ड ने बयान जारी कर अपडेट शेयर किया। चलिए हम आपको इन सभी की फिटनेस के बारे में बताते हैं।

बुमराह कर रहे गेंदबाजी

जसप्रीत बुमराह अपने रिहैब के अंतिम चरण में हैं और नेट्स पर गेंदबाजी कर रहे हैं। वह अब कुछ अभ्यास मैच खेलेंगे, जिसका आयोजन एनसीए करेगा। बीसीसीआई मेडिकल टीम उनकी प्रोग्रेस से खुश है और अभ्यास खेलों के बाद उनका आकलन करने के बाद अंतिम निर्णय लेगी।

अय्यर का फिटनेस पर ध्यान

श्रेयस अय्यर भी नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे हैं और अभी स्ट्रेंथ और फिटनेस की ट्रेनिंग कर रहे हैं। आने वाले दिनों में स्किल और स्ट्रेंथ कंडीशनिंग की गति को और तेज किया जाएगा।

प्रसिद्ध का अभ्यास पर जोर

प्रसिद्ध कृष्णा भी लंबे समय से चोटिल हैं। वह आईपीएल में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे। स्ट्रेस फ्रैक्चर से वापसी की तैयारी कर रहे प्रसिद्ध भी नेट्स पर पूरी लय में बॉलिंग कर रहे हैं। जसप्रीत बुमराह की तरह अभ्यास मैच के बाद भी उनकी वापसी पर अंतिम फैसला होगा।

राहुल में हुआ सुधार

केएल राहुल आईपीएल 2023 के दौरान चोटिल हुए थे। सर्जरी के बाद राहुल एनसीए में हैं। बीसीसीआई ने जानकारी दी है कि उनकी और श्रेयस अय्यर की स्थिति एक जैसी ही है।

पंत तेजी से कर रहे सुधार

ऋषभ पंत की स्थिति में काफी तेजी से सुधार हो रहा है। उन्होंने नेट्स पर बल्लेबाजी के साथ-साथ कीपिंग भी शुरू कर दी है। वह अभी उनके लिए डिजाइन किए गए एक फिटनेस कार्यक्रम का पालन कर रहे हैं जिसमें स्ट्रेंथ, फ्लेक्सिबिलिटी और रनिंग शामिल है।

ज्ञानवापी मस्जिद का एएसआई सर्वे होगा

वाराणसी, (ब्यूरो)। ज्ञानवापी केस में एएसआई सर्वे की इजाजत मिल गई है। वाराणसी कोर्ट ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि विवादित हिस्से को छोड़कर बाकी पूरे कैंपस का बिना नुकसान पहुंचाए साइंटिफिक सर्वे किया जाए। इसकी रिपोर्ट एएसआई 4 अगस्त तक कोर्ट में पेश करें। इसके साथ ही मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज कर दी। मुस्लिम पक्ष ने सर्वे पर रोक लगाने की याचिका दाखिल की थी। 14 जुलाई को करीब डेढ़ घंटे तक हुई बहस के बाद जिला जज डॉ. अजय कृष्णा विश्वेश ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। हिंदू पक्ष के वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा, हमारा कहना था कि पूरे क्षेत्र का एएसआई सर्वे करना चाहिए।

न्यूज़ीलैंड गोलीबारी में तीन लोगों की मौत, छह घायल

वेलिंगटन, (एजेंसी)। न्यूज़ीलैंड के ऑकलैंड में गुरुवार को फीफा महिला विश्व कप के उद्घाटन मैच से कुछ घंटे पहले हुई गोलीबारी में हमलावर सहित तीन लोगों की मौत हो गई और एक पुलिस अधिकारी सहित अन्य छह घायल हो गए। रिलीविंग ऑकलैंड डिस्ट्रिक्ट कमांडर एवं कार्यवाहक अधीक्षक सनी पटेल ने कहा कि गोलीबारी स्थल पर दोनों पीड़ित निर्माण कार्य करते थे। मृतक अपराधी मातु टांगी मटुआ रीड (24) भी काम कर रहा था। श्री पटेल ने कहा कि घायल पुलिस अधिकारी की हालत स्थिर बनी हुई है।

एससी से आदिपुरुष के खिलाफ याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने हिंदी फिल्म 'आदिपुरुष'के खिलाफ विभिन्न उच्च न्यायालयों में चल रही कार्यवाहियों पर शुक्रवार को रोक लगा लगाते हुए केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) प्रमाणन रद्द करने की मांग करने वाली याचिकाएं खारिज कर दी। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली पीठ ने 'आदिपुरुष' फिल्म को कथित तौर पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला होने का आरोप लगाते हुए इसके सीबीएफसी प्रमाणन को रद्द करने की मांग वाली एक अधिवक्ता एवं अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद अपना यह आदेश पारित किया।

इमरान को आत्मसमर्पण का निर्देश: सुप्रीम कोर्ट

इस्लामाबाद, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को क्वेटा में एक अधिवक्ता अब्दुल रज्जाक शार की हत्या पर जारी प्राथमिकी और गिरफ्तारी वारंट को रद्द कराने से पहले व्यक्तिगत रूप से न्यायालय के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया है। उच्चतम न्यायालय की तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाकर्ता को सोमवार (24 जुलाई) को सुप्रीम कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने के लिए कहा है। अन्यथा याचिकाकर्ता की ओर से मांगी जा रही राहत को बढ़ाया नहीं जाएगा। चार जुलाई को शीर्ष अदालत ने श्री खान के वकील को एफआईआर को रद्द करने की मांग वाली उनकी याचिका पर जल्द सुनवाई के लिए सीजेपी से संपर्क करने का सुझाव दिया था।

आज का इतिहास

- **1775:** जॉर्ज वॉशिंगटन ने अमेरिकी सेना की कमान संभाली। जार्ज वाशिंगटन यूएस के पहले राष्ट्रपति थे।
- **1793:** उत्तरी अमेरिका के मेक्सिको के उत्तर में एट्रांसकॉन्टिनेंटल क्रॉसिंग को पूरा करने वाले पहले रिकॉर्ड किए जाने वाले व्यक्ति बनने के दो दिन बाद, स्कॉटिशहेल्पेपर अलेक्जेंडर मैकेंजी ने हर्ज़ूरनी के पश्चिमी बिंदु पर पहुंचकर एक चट्टान पर अपना नाम अंकित किया।
- **1802:** जिया लॉन्ग ने हनोई पर विजय प्राप्त की और आधुनिक वियतनाम को एकीकृत किया।
- **1802:** जीए लांग ने वियतनाम के अपने एकीकरण को पूरा करने के लिए हनोई पर कब्जा किया।
- **1808:** फ्रेंच जनरल डयूपॉन्ट बेलेन की लड़ाई के बाद स्पेनिश अनियमित ताकतों को आत्मसमर्पण कर दिया।

22 राज्यों के 235 जिलों में बाढ़ जैसे हालात

- महाराष्ट्र के ठाणे, रायगढ़, पुणे और पालघर जिले में भारी बारिश के लिए रेड अलर्ट।
- महाराष्ट्र के नांदेड़ के 12 गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति, लगभग 1,000 लोगों को निकाला गया।
- दिल्ली में बाढ़ पीड़ितों को 10 हजार की सहायता देने पर केजरीवाल कैबिनेट ने मुहर लगा दी है।
- यूपी में 14 जिलों के 406 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 38,996 लोग प्रभावित हैं।
- भारी बारिश के चलते पालघर में और पुणे में दो दिन सभी स्कूलों को बंद किया गया है।
- जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में बाढ़ और लैंडस्लाइड, आठ लोगों की मौत।

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में 22 राज्यों के 235 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। 10,000 मकान तबाह हो गए हैं। बाढ़ से 2.50 लाख हेक्टेयर फसल बर्बाद हो चुकी है। मृतक जानवरों की संख्या 21 हजार से ज्यादा हो चुकी है। महाराष्ट्र के रायगढ़ में लैंडस्लाइड की वजह से पूरा गांव तबाह हो गया। इसमें 22 लोगों की मौत हो गई। रायगढ़ में 6 में से 3 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। इनमें अंबा, सावित्री और पातालगंगा शामिल हैं। कुंडलिका, गढ़ी और उल्हास नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। बाढ़ जैसे हालात के बीच महाराष्ट्र में एनडीआरएफ की 12 टीमें तैनात की गई हैं। पूरे महाराष्ट्र में वर्षा से 57 की मौत हो गई है।

हिमाचल में भारी बारिश से भूस्खलन, 3 की मौत

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देशभर में बीते दिन से भारी बारिश हो रही है। मैदानी इलाकों से पहाड़ों क्षेत्रों तक मानसून की बारिश कहर बरपा रही है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में सबसे नुकसान हुआ है। हिमाचल में भारी बारिश और भूस्खलन से लोगों की जान जा रही है। हाल ही में शिमला के चिड़गांव में लैंडस्लाइड के कारण एक कार हादसे का शिकार हो गई। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई।

इसके अलावा किन्नौर जिले में एचआरटीसी की नाइट बस पर उरनी ढांक से पत्थर गिरने के बाद तीन यात्री घायल हो गए। घायलों में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हिमाचल में बीते दिनों से भारी बारिश का दौर जारी है। मूसलाधार बारिश और लैंडस्लाइड की वजह से काफी नुकसान हो रहा है। बीती रात शिमला के रोहड़ू के चिड़गांव में लैंडस्लाइड के चलते एक कार हादसे का शिकार हो गई। घटना में तीन लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि कार में सवार दो अन्य लोग घायल हो गए हैं। यह सभी व्यक्ति खाबल सिंदासिल के बताए जा रहे हैं। रोहड़ू से खाबल एक ऑल्टो कार जा रही थी।

किन्नौर में बस पर गिरे पत्थर, तीन घायल: गुरुवार रात को किन्नौर में सांगला वैली में एचआरटीसी की बस भी भूस्खलन की चपेट में आ गई हैं। बताया जा रहा है कि बस पर ऊरनी ढांक से पत्थर गिर गए। इसमें तीन लोग घायल हो गए। घायलों को चोलिंग में आर्मी मेडिकल कैंप में उपचार दिया गया है। बताया जा रहा है कि एचआरटीसी की यह रात्रि बस सेवा सांगला से काजा जा रही थी।

हिमाचल के राज्यपाल ने प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह से भेंट की

नई दिल्ली, (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट की। उन्होंने उन्हें राज्य में भारी बारिश और बादल फटने से हुए नुकसान से अवगत करवाया। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री को राज्य सरकार और एनडीआरएफ द्वारा संचालित किए जा रहे राहत और बचाव कार्यों के बारे में जानकारी दी तथा राज्य को सहायता राशि जारी करने और अर्द्ध सैनिक बलों व एनडीआरएफ को तैनात करने के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री तथा गृह मंत्री को अवगत करवाया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मंडी और सोलन जिलों में प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। प्रधानमंत्री मोदी तथा गृह मंत्री शाह ने राज्यपाल को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।

दीर्घकालिक आर्थिक साझीदारी स्थापित करेंगे भारत-श्रीलंका

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के बीच हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की द्विपक्षीय शिखर बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। श्रीलंका के राक्रपति रानिल विक्रमसिंघे दो दिन के दौरे पर भारत आए हैं। शुक्रवार को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय और डेलीगेशन लेवल की बातचीत हुई। इस दौरान श्रीलंका में **यूपीआई** के इस्तेमाल को लेकर समझौता हुआ। भारत एवं श्रीलंका ने दीर्घकालिक आर्थिक साझीदारी के विजन के आधार पर आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समझौता (ईटीसीए) करने के साथ ही श्रीलंका में डिजीटल आर्थिक कनेक्टिविटी करके यूपीआई के क्रियान्वयन एवं द्विपक्षीय व्यापार भारतीय रुपये में करने का शुक्रवार को फैसला किया। विक्रमसिंघे ने कहा- पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत लगातार तरक्की कर रहा है। वहीं दोनों देशों के रिश्तों पर बात करते हुए पीएम मोदी बोले- हमारे संबंध प्राचीन और व्यापक हैं। श्रीलंका और भारत के बीच हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाई जाएगी। पैसेंजर फेरी सर्विस शुरु होंगी। इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड पर काम होगा। पीएम मोदी ने कहा- पिछला 1 साल श्रीलंका के लिए चुनौतियों से भरा रहा। हम कठिन समय में वहां के लोगों के साथ खड़े रहेंगे। हमें उम्मीद है कि श्रीलंका की सरकार तमिलों की आकांक्षाओं को पूरा करके समानता, न्याय और शांति के प्रोसेस को आगे बढ़ाएगी। भारत की 'नेबरहुड फर्स्ट' नीति और 'सागर' विजन दोनों में श्रीलंका का महत्वपूर्ण स्थान है।

भारतीय रुपए में आपसी व्यापार करेंगे भारत-श्रीलंका

व्यापार और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाएं

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हमने श्रीलंका के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता के आधार पर हमारी आर्थिक साझीदारी के लिए एक दृष्टि पत्र अपनाया है। यह दोनों देशों के लोगों के बीच समुद्री, हवाई, ऊर्जा और जनता के बीच कनेक्टिविटी को मजबूती देने के साथ साथ पर्यटन, विद्युत, व्यापार, उच्च शिक्षा और कौशल विकास में आपसी सहयोग को गति देने का विजन है। हमने तय किया है कि आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग समझौता (ईटीसीए) पर शीघ्र ही बातचीत शुरू की जाएगी। इससे दोनों देशों के लिए व्यापार और आर्थिक सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। हम भारत और श्रीलंका के बीच व्यापार और लोगों का आवागमन बढ़ाने के लिए हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने पर सहमत हैं।

तलाकशुदा और लिव-इन में रहने वालों को नहीं मिलेगा पेंशन का लाभ

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हरियाणा सरकार ने राज्य में कुंवारे लोगों को दी जाने वाली पेंशन से जुड़ी नोटिफिकेशन जारी कर दी है। इस पेंशन का ऐलान दो हफ्ते पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किया था। सरकार की ओर से जारी नोटिफिकेशन में स्पष्ट किया गया है कि इस पेंशन के लिए कौन-कौन पात्र होगा। नोटिफिकेशन के मुताबिक राज्य में 40 से 60 साल तक के लगभग 71 हजार कुंवारे और विधुर लोगों को हर महीने 2750 प्रतिमाह पेंशन दी जानी है। 60 साल के बाद ऑटोमेटिकली यह पेंशन बुढ़ापा पेंशन में तब्दील हो जाएगी। सरकारी नोटिफिकेशन में स्पष्ट किया गया है कि यह पेंशन लगने के बाद अगर किसी कुंवारे या विधुर ने सरकार को बिना बताए शादी कर ली और चुपचाप पेंशन लेता रहा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सरकार ऐसे लोगों से 12प्रतिशत ब्याज के साथ पेंशन की रकम वसूलेगी।

इटली में समुद्र में तैरता मिला सात हजार करोड़ का कोकीन

सिसली, (एजेंसी)। इटली ने समुद्र में तैरती 5300 किलो कोकीन को जब्त किया है। इसकी जानकारी शुक्रवार को सिसली शहर की पुलिस ने दी। कोकेन की कीमत 7 हजार करोड़ रुपए बताई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस को जानकारी मिली थी कि साउथ अमेरिका से एक जहाज में कोकीन भेजी जा रहा है। तब से इटली का कोस्ट गार्ड वहां से आने वाले जहाजों पर नजर रख रहा था। तस्करों ने पुलिस से बचने के लिए कोकीन के पैकेटों को समुद्र में फेंक दिया था। इसके बाद इटली में ड्रग माफिया कोकीन को मछली पकड़ने वाली बोट में डालकर ले जा रहे थे। इसी दौरान इटली के सर्विलांस एयरक्राफ्ट की नजर इन पर पड़ गई। वहीं दूसरी और तस्करों को ड्रग्स ले जाते हुए देखने के बाद कोस्ट गार्ड के एयरक्राफ्ट ने सिसली की पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर 2 ट्यूनिशिया, 1 इटली, 1 अल्बानिया और एक फ्रेंच तस्कर को गिरफ्तार किया। इन लोगों से पूछताछ कर इटली में कोकेन भेजने वाले तस्करों के बारे में पता लगाया जा रहा है।

श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे से मिले गौतम अदानी

अदानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अदानी ने गुरुवार को दिल्ली में श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की है। इस मुलाकात में दोनों के बीच कोलंबो पोर्ट वेस्ट कंटेनर टर्मिनल (डब्ल्यूसीटी) के विकास के साथ-साथ कई अन्य डेवेलपमेंट प्रोजेक्ट्स पर चर्चा हुई। श्रीलंका के राष्ट्रपति विक्रमसिंघे दो दिन की भारत यात्रा पर राजधानी दिल्ली में थे। मुलाकात के बाद गौतम अदानी ने ट्वीट करके कहा कि राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मिलना बड़े सम्मान की बात है। हम कोलंबो पोर्ट वेस्ट कंटेनर टर्मिनल का निरंतर विकास, 500 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट और ग्रीन हाईड्रोजन के उत्पादन के लिए अपनी एक्पर्टीज को बढ़ाने पर चर्चा करेंगे। अदानी ग्रुप श्रीलंका में 3625 करोड़ रुपए से अधिक का विंड पावर प्रोजेक्ट लगाने वाला है, ग्रीन एनर्जी के इस प्रोजेक्ट को फरवरी में मंजूरी मिली थी।

राजस्थान में बढ़ रहा महिलाओं पर अत्याचार कहने वाले मंत्री गुढ़ा को सीएम गहलोत ने किया बर्खास्त

जयपुर, (एजेंसी)। राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने अपने मंत्री राजेन्द्र सिंह गुढ़ा को बर्खास्त कर दिया है. मंत्री गुढ़ा ने कहा था कि राजस्थान में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहा है। गुढ़ा ने एक तरह से अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए थे, इस वजह से उनका बयान आग की तरह फैल गया। राजस्थान की विपक्षी पार्टी बीजेपी इसको लेकर गहलोत सरकार को घेरने लगी। दरअसल, राजेंद्र गुढ़ा ने शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा में महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए अपनी ही सरकार पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था, यह सच्चाई है कि महिलाओं की सुरक्षा में असफल हो गए। राजस्थान में जिस तरह से अत्यचार बढ़े हैं महिलाओं के ऊपर, मणिपुर के बजाय हमें अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। गुढ़ा के बयान के बाद बीजेपी ने गहलोत सरकार को घेरना शुरू कर दिया है।

शनचो-16 के अंतरिक्ष यात्रियों ने यान का बाहरी कार्य पूरा किया

बीजिंग (एजेंसी)। चीनी मानवयुक्त अंतरिक्ष इंजीनियरिंग कार्यालय से 20 जुलाई को मिली खबर के अनुसार, रात 9 बजकर 40 मिनट पर, शनचो-16 अंतरिक्ष यान में सवार अंतरिक्ष यात्री चिंग हाई फंग, चू यांगचू और क्वेई हाईछाओ ने घनिष्ठ सहयोग करते हुए केबिन से बाहर की गतिविधियों के सभी निर्धारित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान उन्हें लगभग 8 घंटे का समय लगा। केबिन के बाहर जाने वाले अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित रूप से अंतरिक्ष स्टेशन के वनथ्येन प्रायोगिक मॉड्यूल में वापस लौटे, मौजूदा गतिविधि पूरी तरह सफल रही। केबिन के बाहर अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्री कोर केबिन के पैनोरमिक कैमरा बी ऑन-ऑर्बिट सपोर्ट की स्थापना करने, मंगथ्येन केबिन के पैनोरमिक कैमरा ए और बी को अनलॉक करने आदि कार्य को पूरा किया, पूरी प्रक्रिया सुचारू रूप से चली।

यहां बता दें कि अंतरिक्ष यात्री चिंग हाईफंग ने चार बार अंतरिक्ष की यात्रा की। शनचो-7 अंतरिक्ष यान में उन्होंने केबिन के भीतर सहायक कार्य किए। इस बार उन्होंने केबिन के बाहर गतिविधि में भाग लिया।

सगी बहन का सिर काटा, हाथ में लेकर गांव में घूमा भाई

बाराबंकी, (ब्यूरो)। उत्तरप्रदेश के बाराबंकी में शुक्रवार को खौफनाक वारदात हुई। यहां एक भाई ने अपनी बहन का सिर धड़ से अलग कर दिया। सिर हाथ में लेकर वह गांव में करीब 800 मीटर तक घूमता रहा। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पुलिस पहुंची। इसके बाद आरोपी भाई को गिरफ्तार कर लिया। एसीपी आशुतोष मिश्रा ने बताया कि बहन के अफेयर से नाराज होकर आरोपी ने यह वारदात की। आरोपी का नाम रियाज है। सुबह 11.30 बजे उसने वारदात को अंजाम दिया।

वारदात को अंजाम दे गांव में 800 मीटर का चक्कर लगाया

पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बहन का कटा हुआ सिर और शव बरामद कर लिया है। वारदात फतेहपुर थाना क्षेत्र के मिठवारा गांव की है। पड़ोसियों के मुताबिक, शुक्रवार सुबह घर पर रियाज का अपनी बहन आसिफा से किसी बात को लेकर विवाद हुआ। कुछ देर रुकने के बाद वह घर से बाहर निकल गया। उसके बाद जब वापस आया तो अपनी बहन से कपड़े धोने के लिए बोला। रियाज की बहन कपड़े धोने के लिए घर से बाहर निकली और पानी भरने लगी। उस वक्त रियाज पीछे से आया और बहन पर चापड़ से ताबड़तोड़ वार किए। रियाज तब तक चापड़ से गले पर मारता रहा जब तक कि गर्दन अलग नहीं हो गई। इसके बाद उसने सिर को हाथ में उठाया और थाने की ओर जाने लगा। आसपास के लोगों ने जब धड़ के साथ उसको घर से बाहर जाते देखा तो वह कांप गए। तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने रियाज को रास्ते से ही गिरफ्तार कर लिया।

Filmiतड़का

ड्रीम गर्ल-2 में आयुष्मान खुराना ने फिर चलाया जादू!

मुंबई। ड्रीम गर्ल 2 की एक झलक भर पाने के लिए लोगों का उत्साह तेज होता जा रहा है। और ऐसा हो भी क्यों न आखिर ड्रीम गर्ल पूजा के दीवानों की लिस्ट इंडस्ट्री के सभी बड़े सुपरस्टार्स से भरी जो पड़ी है, जिसमें लेटेस्ट एंट्री रॉकी की हुई है। हालांकि ड्रीम गर्ल की प्रेम कहानी की हालिया झलक में भी जब उनके सुंदर मुखड़े का दीदार नही हुआ, तो लोगों की बेकरारी का लेवल और बढ़ गया। पर अब लगता है कि ड्रीम गर्ल की झलक देखने का ड्रीम पूरा होने को आया है फिल्म के एक नए और दिलचस्प पोस्टर के साथ इस लुक को आयुष्मान ने अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल पर पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा,ये पोस्टर पहले से ही सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

प्रोजेक्ट K की पहली झलक रिलीज

मुंबई,। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास की आने वाली फिल्म प्रोजेक्ट के की पहली झलक रिलीज कर दी गई है। फिल्म निर्माता नाग अश्विन की फैन्टसी फिल्म'प्रोजेक्ट के'में अमिताभ बच्चन, प्रभास, दीपिका पादुकोण,दिशा पटानी और कमल हसन मुख्य भूमिका में हैं। कुछ दिनों पहले ही इस फिल्म से दीपिका पादुकोण और प्रभास का पोस्टर रिलीज किया गया था।अमेरिका में हुए सैन डिएगो कॉमिक कॉन इवेंट में'प्रोजेक्ट- के' के टाइटल से पर्दा उठाया गया। प्रोजेक्ट के का फुल टाइटल प्रोजेक्ट-कल्कि 2898 एडी है। इस फिल्म की पहली झलक में प्रभास-दीपिका के साथ-साथ अमिताभ बच्चन की पहली झलक भी फैंस को देखने को मिली। 'प्रोजेक्ट के'(कल्कि 2898 एडी)एक मल्टीलिंग्वल फिल्म है जो 12 जनवरी, 2024 को रिलीज होने वाली है।

यासीन मलिक को देखकर जज हुए नाराज, बोले- अब वर्चुअली होगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कश्मीरी आतंकी यासीन मलिक शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुआ। कोर्ट में उसे देख जज नाराज हो गए। जस्टिस सूर्यकांत और दीपांकर दत्ता की बैंच ने कहा कि हमने ऐसा कोई आदेश नहीं दिया था, जिसमें कहा गया हो कि उसे व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होना है। इसके मामले में वर्चुअली सुनवाई होगी। टेरर फंडिंग केस में दोषी ठहराए जाने के बाद से यासीन तिहाड़ जेल में उम्र कैद की सजा काट रहा है। यासीन को शुक्रवार को जम्मू अदालत के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया था। वहीं दूसरी और यासीन के केस की सुनवाई कर रहे जस्टिस दीपांकर दत्ता ने इस केस से खुद को अलग कर लिया है।

टेरर फंडिंग का मामला

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इस केस की सुनवाई चार हफ्ते बाद की जाएगी। इसकी सुनवाई दूसरी बैंच करेगी, जस्टिस दत्ता उसके सदस्य नहीं होंगे।

दिग्गज अमेरिकी गायक टोनी बेनेट का निधन

न्यूयॉर्क, (एजेंसी)। अमेरिका में न्यूयॉर्क के दिग्गज पॉप एवं जैज़ गायक टोनी बेनेट का शुक्रवार को निधन हो गया। वे 96 वर्ष के थे। उनके निधन की पुष्टि उनकी प्रचारक सिल्विया वेनर ने की। उन्होंने कहा कि गायक का निधन उनके गृहनगर न्यूयॉर्क में हुआ। मृत्यु का कोई विशेष कारण नहीं था, लेकिन श्री बेनेट को 2016 में अल्जाइमर रोग का पता चला था। 'बेनेट को द वे यू लुक टुनाइट', 'बॉडी एंड सोल' और (आई लेफ्ट माई हार्ट) 'इन सैन फ्रांसिस्को' जैसे गानों के लिए जाना जाता था।

नियोजित और स्वस्थ परिवार के लिए पुरूष भी बनें जिम्मेदार

पुरूष नसबंदी व अस्थायी साधन कंडोम के साथ निभा सकते हैं जिम्मेदारी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मातृ शिशु स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली में नियोजित परिवार की अहम भूमिका है लेकिन इसका जिम्मा सिर्फ आधी आबादी के कंधों पर डाल दिया गया है इस चलन को बदलना होगा नियोजित और स्वस्थ परिवार के लिए पुरूष को भी अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आना होगा` इसी सोच को साकार करने के लिए इन दिनों सोशल मीडिया पर बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की तरफ से मर्द भी बने जिम्मेदार हैशटैग के साथ अभियान चलाया जा रहा है जिसमें दावा किया गया है कि 35 फीसदी भारतीय पुरूष, गर्भ निरोधन के लिए महिला को ही जिम्मेदारी मानते हैं`

मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डॉ संदीप चौधरी का कहना है कि पुरूष भागीदारी के दोनों साधन कंडोम और नसबंदी (एनएसवी), महिला द्वारा अपनाए जाने वाले साधनों की तुलना में अधिक सुरक्षित व प्रभावी हैं परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ एचसी मौर्य का कहना है कि पुरूष भागीदारी बढ़ाने के लिए नवदंपति को दिये जाने वाले शगुन किट में कंडोम भी दिये जाते हैं कंडोम न केवल परिवार नियोजन में अहम भूमिका निभा रहे हैं बल्कि इनसे यौन रोगों से भी बचाव होता है`

शादी के बाद आशा कार्यकर्ता नवदंपति को प्रेरित करती हैं कि पहला बच्चा शादी के दो साल बाद ही करना है और दो बच्चों में तीन साल का अंतर भी बना रहे पहले बच्चे में देरी और दो बच्चों में अंतर के लिए त्रैमासिक अंतरा इंजेक्शन, माला एन और इमर्जेंसी पिल्स का उपयोग करती हैं अगर पुरूष कंडोम का इस्तेमाल करें तो दंपति का जीवन खुशहाल रहेगा और किसी प्रकार की दिक्कत भी नहीं होगी जिले के आठ ब्लॉक के करीब 250 स्वास्थ्य इकाइयों पर परिवार नियोजन बॉक्स हैं जहां पूरी गोपनीयता के साथ कंडोम ले सकतें हैं परिवार कल्याण कार्यक्रम में पीएसआई इंडिया और यूपीटीएसयू सक्रिय रूप से तकनीकी सहयोग कर रहा है`

एनएसवी सर्जन डॉ एसके सिंह ने बताया कि पुरुष नसबंदी करने की प्रक्रिया बहुत ही सरल और सुरक्षित है इस पूरी प्रक्रिया में केवल 10 से 15 मिनट का समय लगता है और इसमें ज्यादा से ज्यादा दो दिन के आराम की जरूरत होती है` परिवार नियोजन के साधन को अपनाने की पहल पुरुषों की ओर से की जानी चाहिए, क्योंकि पुरुषों की शारीरिक संरचना महिलाओं की अपेक्षा अधिक सरल होती है महिलाओं को मासिक धर्म और प्रसव के दौरान बहुत अधिक पीड़ा सहन करनी पड़ती है ऐसे में दोबारा ऑपरेशन उनके लिए कष्टदाई होता है उन्होंने कहा कि शादी शुदा ऐसे पुरुष जिनकी आयु 22 से 59 वर्ष के बीच हो और उनका परिवार पूरा हो गया हो। तो वह पुरुष नसबंदी के लिए आगे आ सकते हैं`

मँडुआडीह निवासी 28 वर्षीय रमेश (परिवर्तित नाम) बताते हैं कि उनकी शादी वर्ष 2018 में हुई थी इसके एक साल बाद लड़का हुआ तथा ढाई साल बाद लड़की हुई एक लड़का और एक लड़की होने से उनका परिवार पूरा हो चुका है अब वह और बच्चे नहीं चाहते हैं दोनों बच्चे सिजेरियन प्रसव से हुये थे तो वह पत्नी का पुनः ऑपरेशन नहीं करवाना चाहते थे ऐसे में क्षेत्र की आशा कार्यकर्ता बबीता से उनकी पत्नी ने मुलाकात की और अपने पति से पुरुष नसबंदी पर चर्चा करने के लिए कहा` रमेश ने जब अपनी पत्नी के साथ पुरुष नसबंदी पर बात की तो आशा द्वारा बताई गई बातों के बारे में पता चला कि इससे यौन क्षमता और यौन क्रिया पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है` इसके बाद उन्होंने खुशी-खुशी स्वयं की नसबंदी कराने का निर्णय लिया पिछले सप्ताह ही उन्होंने पुरुष नसबंदी कराई वह खुश हैं कि इस पहल में पत्नी ने उनका पूरा सहयोग किया`

एक नजर आंकड़ों पर पुरुष नसबंदी की बात करें तो वर्ष 2017-18 में इसकी संख्या 25 थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 98 हो गई है वहीं कंडोम उपयोग की बात करें तो वर्ष 2019-20 में इसकी संख्या 6,11,748 थी जो वर्ष 2022-23 में बढ़कर 10,83,273 हो गई है।

स्काउट गाइड से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास

प्रखर जौनपुर। जिले के तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय जौनपुर बी.एड.छात्र-छात्राओं के पांच दिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आयोजित किया गया! जिसके उद्घाटन सत्र के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ) आलोक सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण छात्रों में सामाजिक सहभागिता, सर्वांगीण विकास एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है! प्रोफेसर रीता सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड छात्रों के अंदर श्रम एवं सहभागिता विकसित करने के साथ सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है, जिससे छात्रों में अनुशासन एवं कर्तव्य निष्ठा की भावना विकसित होती है! इस अवसर पर प्रोफेसर श्रद्धा सिंह ने कहा कि स्काउट गाइड छात्रों में उत्तम नागरिक गुणों, परोपकार, दया एवं देशभक्ति जैसे मूल्यों का विकास होता है। पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक राकेश मिश्र,आफ्सा तरन्नुम एवं अजय कुमार चौहान ने छात्रों को टेंट, पुल ,गाठबंधन, ध्वज शिष्टाचार, कलर पार्टी, व्याख्यान ,बीपी सिक्स, व्यायाम एवं योग आदि का प्रशिक्षण प्रदान किया। इस अवसर पर वृक्षारोपण का कार्य भी शिक्षक शिक्षा विभाग में किया गया। शिविर के समापन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर अजय कुमार दुबे ने कहा कि स्काउट गाइड प्रशिक्षण छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करता है, जिससे छात्र अपने भावी जीवन में समाज में उपयोगी सदस्य के रूप में अपनी भूमिका का निर्वहन कर सकें।

हिन्दी भक्ति एलबम त्रिलोचन धाम हो की शूटिंग संपन्न

प्रखर जलालपुर जौनपुर। क्षेत्र के त्रिलोचन महादेव निवासी रियल हीरो की मिशाल पैदा करने वाले क्षेत्रिय भोजपुरी फिल्म अभिनेता चन्दन सेठ की रागलोक म्युजिक कंपनी के बैनर तले बन रहे हिन्दी भक्ति एलबम त्रिलोचन धाम हो की शूटिंग प्राचीन व ऐतिहाशिक त्रिलोचन महादेव मंदिर परिसर व तालाब के इर्द-गिर्द स्थलों पर फिल्माया गया।जिसका उद्घाटन जलालपुर एसओ व त्रिलोचन महादेव मंदिर कमेटी के प्रबंधक मुरलीधर गिरि ने किया।मंदिर के महंत अशोक गिरि व नितेश दूबे ने विधिवत पूजा-पाठ कर शूटिंग प्रारम्भ करवाया। अभिनेता चन्दन ने प्रेसवार्ता में बताया कि इस एलबम में पूर्वांचल के सुप्रसिद्ध गायक सौरभ पंडित ने अपनी सुमधुर आवाज से सवारा है।चन्दन ने बताया इस गाने में मैं मुख्य किरदार में हूं। एलबम के डायरेक्टर/कैमरामैन जिग्नेश मौर्य भ्रमर, गीत सौरभ पंडित,मेकअप मैन राजा गिरि, डीओपी रॉकी यादव,अर्पित यादव, पीआरओ सुनिल प्रजापति,कोरियोग्राफर हजारी लाल यादव ने किया है। चन्दन ने बताया यह गीत 2023 का अब तक का सबसे हिट त्रिलोचन महादेव धाम गीत साबित होगा। जो लोगों को काफी पसन्द आयेगा। उन्होने बताया उनका आने वाला हिन्दी विडियो एलबम बेवफा की याद, रात कटे तारे गिन गिन समेत दर्जनों हिन्दी व भोजपुरी एलबम की गाने की रिकार्डिंग पुरी हो गयी है जिसकी शूटिंग अतिशीघ्र जौनपुर व वाराणसी जिले के आस पास रमणीय स्थलों पर की जायेगी।इस अवसर पर अजय गिरि,सुदर्शन मिश्रा,बच्चा यादव सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

भगवान भक्त के मिलन पर प्रकृति स्वयं बना देती है बसन्त का मौसम : राजन जी महाराज

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। सम्पूणानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के खेल मैदान में श्री रामकथा प्रेमी सेवा समिति के तत्वावधान में चल रही सरस श्रीराम कथा के चौथे दिन मानस मर्मज्ञ पूज्य राजन जी महाराज ने धनुष यज्ञ लीला का अत्यंत मनोहारी वर्णन कर कथा प्रेमियों के अंतर्मन को झंकृत कर दिया उन्होंने कहा कि जब प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण गुरु विश्वामित्र के साथ राजा जनक के मन की व्यथा को दूर करने मिथिला पहुँचते है` आँखों का सबसे बड़ा खजाना समझ प्रभु की मनोहारी छवि को निहारने सम्पूर्ण मिथिलावासी सड़क पर उतर आते है पूरे मिथिलावासी प्रभु के रूप सौंदर्य पर मोहित होकर बलिहारी हो जाते है पूरे मिथिला में अपने आप बसन्त का मौसम हो जाता है` राजन जी महाराज ने कहा कि जहाँ भी भगवान और भक्त का मिलन होता है प्रकृति स्वयं बसन्त का मौसम बना देती है प्रभु श्रीराम ने राजा जनक की चिंता दूर करते हुए पलक झपकते ही शिव के धनुष को भंग कर दिया। विश्वविख्यात कथा वाचक प्रेममूर्ति पूज्य संत प्रेमभूषण जी महाराज के कृपापात्र शिष्य राजन जी महाराज ने कहा कि जो दिखने मे सुहावन होता है जरूरी नही की वह पावन भी हो, साधन जुटाकर हम किसी भी घर को सुहावना जरूर बना सकते है लेकिन घर को पावन बनाना है तो भजन साधना की आवश्यकता होगी` भजन करते रहना चाहिए इसके लिए किसी का त्याग करने की भी आवश्यकता नही है बल्कि सिर्फ भगवन नाम को पकड़ना है भगवान को याद करेंगे तो उनकी दया निश्चित है उन्होंने कहा कि मनुष्य को अपने बारे में स्वयं आकलन करना चाहिए कि हम क्या है झूठी प्रशंसा से हम स्वयं अपना ही नुकसान करते है प्रत्येक माता पिता का यह कर्तव्य है

कि वें बच्चो को बाल्यकाल से धर्म से जुड़े रहने की शिक्षा दे। विशिष्टजनों ने उतारी व्यासपीठ की आरती मुख्य यजमान सुमित सराफ, रुचि सराफ, विनोद सराफ, इंदु सराफ, अजय लिल्हा, गोपाल कृष्ण केडिया, प्रेम रस्तोगी, मनोज मद्धेशिया आदि ने व्यासपीठ का पूजन किया` आरती में मुख्य रूप से काशी विश्वनाथ मंदिर के मुख्य अर्चक श्रीकांत मिश्रा, महानगर भाजपा अध्यक्ष विद्यासागर राय, पदमश्री चंद्रशेखर सिंह, अनूप सराफ, सुरेश तुलस्यान, योगेश वर्मा, दिलीप सिंह, अजय यादुका, राकेश अग्रवाल आदि शामिल रहे संचालन पवन अग्रवाल ने किया।

एनसीसी कैडेटों ने स्वामी सहजानंद पीजी कालेज में किया पौधरोपण

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। नगर के स्वामी सहजानन्द स्नातकोत्तर महाविद्यालय के एनसीसी 92 बटालियन के कैडेट द्वारा वृहद पौधरोपण जनआंदोलन अभियान के तहत पर्यावरण को स्वस्थ रखने के लिए महाविद्यालय के प्रांगण में 250 पौधों का रोपण किया गया। इस पौधरोपण कार्यक्रम में कैडेट को शुभकामना संदेश देते हुए उपप्राचार्य प्रोफेसर ए एन राय ने कहा कि वृक्षारोपण कार्यक्रम को आज के परिवेश में जन आंदोलन बनाने की जरूरत है। जितनी ज्यादा हरियाली विकसित होगी, उतना ही अधिक स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण तैयार होगा। महाविद्यालय के एनसीसी ऑफिसर लेफ्टिनेंट डॉ विलोक सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा 30 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए महाविद्यालय की एनसीसी यूनिट को रक्षा मद से 500 पौधे आर्बटित किए गए हैं । कैडेट को जियोटैगिंग करने का तरीका बताया गया और रोपण सभी पौधे की जियोटैगिंग कैडेट द्वारा की गई । एनसीसी यूनिट द्वारा जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण का तय लक्ष्य को सफलतापूर्वक

हासिल कर लिया गया है। पौधरोपण का दूसरा चरण माह अगस्त में संचालित किया जाएगा

महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर अजय राय ने कैडेट में जोश भरते हुए कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस का इस वर्ष का थीम प्लास्टिक का समाशोधन है। जंगलों को नया जीवन देकर, पेड़-पौधे लगाकर, बारिश के पानी को संरक्षित करके और तालाबों के निर्माण करने से हम पारिस्थितिकी तंत्र को फिर से रिस्टोर कर सकते हैं। सीनियर कैडेट विपिन ने बताया कि प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। इस कार्यक्रम में ग्रीन सेल्फी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कैडेट ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और इकोसिस्टम रेस्टोरेसन विषय पर अपनी सेल्फी जमा की। शिक्षक कर्मचारियों एवं कैडेट ने पृथ्वी पर बेहतर जीवन यापन के लिए बायो-डाइवर्सिटी संरक्षण का प्रयास जारी रखने की शपथ ली एवं वनमित्र होने का सन्देश दिया गया। पेड़ लगाने का लो संकल्प प्रकृति को बचाने का यही है विकल्प नारे से प्रांगण गूंज उठा। बटालियन के सीओ कर्नल संतोष कुमार की अभिप्रेणा से कार्यकम सफल रहा।

सृजन समाजिक विकास न्यास, 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं बन विभाग के संयुक्त तत्वधान में किया गया वृहद पौधरोपण एवं वितरण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दिशा निर्देश में सौरभ श्रीवास्तव विधायक कैंट के अगुवाई में एवं अनिल कुमार बृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन के देखरेख में जल निगम भगवानपुर एस टी पी,सृजन समाजिऊ विकास न्यास एवं वन विभाग, सहयोग से एस टी पी जल निगम भगवानपुर वाराणसी के कैंपस में बृहद पौधरोपण किया गया` गंगा हरीतिमा अभियान के ब्रांड एंबेसडर सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह के मिशन एक करोड़ पौधरोपण के तहत अभिषेक कुमार सिंह सहायक कमांडेंट 95 बटालियन के नेतृत्व में जल निगम भगवानपुर एसटीपी के कैंपस वाराणसी में बृहद रूप से पौधरोपण किया गया` इस कार्यक्रम में लगभग 1500 पौधे लगे इसी क्रम में 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने वन विभाग के साथ मिलकर मोहाव ग्राम सभा तालाब पर दो हेक्टेयर में

आज लगभग 1000 पौधे लगाए और वितरित किए गए साथ ही साथ इस कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया एवं जन जागरुकता रैली भी निकाली गयी` इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सौरभ श्रीवास्तव कैंट विधायक थे मुख्य अतिथि ने वहां पर उपस्थित सभी जवानों ऑफिसररो, स्कूल के विद्यार्थियों शिक्षकों,राह गिरोह, आम जनमानस से प्रकृति को हरा-भरा बनाए रखने के लिए वार्षिक शुभ अवसरों पर एक एक पौधे लगाने की लिए एवं प्रदूषण मुक्त बनाए रखने के लिए अपने जन्मदिन शादी सालगिरह एवं अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक वृक्ष लगाने के लिए अपील की तथा पौधों को संरक्षित करने के लिए कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे अनिल कुमार सिंह ब्रांड अम्बेसडर पर्यावरण विभाग उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सपथ भी दिलाई गयी `कार्यक्रम में 95 बटालियन के निरीक्षक परविंदर कुमार एवं प्रवीण सिंह के साथ 95 बटालियन की पूरी टीम, जल निगम भगवानपुर एसटीपी महाप्रबंधक एवं उनकी टीम रेंजर दिवाकर दुबे के साथ वन विभाग की टीम पार्षद अमित सिंह चिंटू एवं सृजन समाजिक विकास न्यास विकास के सदस्यगण, सौरभ सिंह पटेल आम जनमानस ने बढ़ -चढ़कर भाग लिया।

उन्नत और आधुनिक खेती करने के लिए किया गया प्रेरित

प्रखर जखनियां गाजीपुर। कृषि विभाग के तत्वावधान में मनिहारी विकासखंड परिसर में शनिवार को ब्लाक स्तरीय खरीफ गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती पर जोर दिया। कहा कि रासायनिक खाद का प्रयोग कम से कम किया जाए। जिला कृषि अधिकारी उमेश कुमार ने गोष्ठी में किसानों को उन्नत और आधुनिक खेती के लिए प्रेरित करने के साथ ही प्राकृतिक खेती करने के लिए किसानों का उत्साहवर्धन किया। बताया कि किसान रासायनिक खेती छोड़कर प्राकृतिक खेती करें? उन्होंने फसलों में लगने वाले कीट, बीमारियों का जैविक तरीके से प्रबंध करने के बारे में भी जानकारी दिया। विषय वस्तु विशेषज्ञ उदय प्रताप कुशवाहा ने किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से विभागीय योजनाओं एवं कृषि तकनीक की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा.डी.पी श्रीवास्तव द्वारा बुवाई से पहले भूमि शोधन, बीज शोधन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। कृषि अधिकारियों ने कहा कि कृषक खरपतवार से मुक्ति हेतु खेत की दो

जुताई पहले से कर लें, तत्पश्चात कंपोस्ट खाद व हरी खाद का प्रयोग कर भूमि शोधन करें। इस अवसर पर कृषि इकाई हंसराजपुर के प्रभारी रामकेवल यादव, एडीओ पंचायत दीनानाथ, हंसराज भारद्वाज, अतुल तिवारी, प्रदीप कुमार सिंह, सुनील कुमार यादव, विकास प्रताप सिंह, विजय यादव आदि उपस्थित रहे संचालन मृत्यंजय सिंह ने किया।

संक्षिप्त खबरें

शासन के निदेर्शानुसार सिंचाई विभाग में वृक्षारोपण किया गया

प्रखर वाराणसी। वृहद वृक्षारोपण महाभियान 2023 के तहत शनिवार की सुबह 10 बजे सिंचाई कालोनी वरुणापुरम स्थित पार्क में सिंचाई विभाग के अधिकारियों /कर्मचारियों के द्वारा वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर दिनेश कुमार पांडुवाल मुख्य अभियंता सोन वाराणसी, केसरी सिंह अधीक्षण अभियंता सिंचाई कार्य मंडल,वाराणसी, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव, प्रशासनिक अधिकारी, जयशंकर सिंह प्रधान सहायक, विजयंत सिंह अवर अभियंता, आरिफ अंसारी एवं शशिभूषण सिंह,आदि उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति के तहत चलाया जा रहा महिला जागरुकता व सशक्तिकरण अभियान

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। शासन द्वारा बालिकाओं, महिलाओं की सुरक्षा व महिला जागरूकता एवं सशक्तिकरण के दृष्टिगत चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक गाजीपुर के निर्देशन में महिलाओं, बालिकाओं की सुरक्षार्थ जनपद में गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड द्वारा प्रतिदिन मंदिर, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर गश्त कर बालिकाओं, महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा के सम्बन्ध में जागरूक एवं चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। उक्त निर्देश के क्रम में थाना कासिमाबाद की पुलिस द्वारा सुरक्षा व नारी सम्मान हेतु चलाये जा रहे मिशन-शक्ति अभियान के अन्तर्गत गठित एण्टी रोमियो स्क्वाड टीम द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, मंदिर, भीड़-भाड़ वाले स्थानों पर चेकिंग की गई तथा बालिकाओं, महिलाओं से वार्ता कर महिला सुरक्षा सम्बन्धी उपायों के बारे में जागरूक किया गया तथा उपस्थित महिलाओं, बालिकाओं, छात्राओं को यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सुरक्षा संबंधित सेवाएं जैसे- वुमेन पावर लाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वास्थ्य सेवा 102, एम्बुलेंस सेवा 108 एवं अपने अपने सीयूजी नम्बरों के बारे में विस्तृत जानकारी देकर जागरुक किया, तथा बेवजह घुमने वाले शोहदों, मनचलों को कड़ी चेतावनी दी गयी।

बिजली चोरी करने पर छह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रखर गाजीपुर। सेवराई तहसील क्षेत्र में जेई अश्वनी कुमार ने टीम के साथ बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान कुल छह लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुकदमा पंजीकृत कराया है। इसमें एक बिजली से संचालित ट्यूबवेल संचालक भी पकड़ा गया है। जो करीब दो वर्ष से बिना बिजली कनेक्शन का ही मशीन चला रहा था। वहीं उस मशीन तक जालसाजी तरीके से बिजली के तार व ट्रांसफार्मर भी लगा दिए गये है। अब इनकी भी जांच कराने के लिए विभाग की ओर से तैयारी शुरू कर दी गयी। विभाग अब उन संबंधित अधिकारी व कर्मियों को भी चिंहित कर कार्रवाई करेंगे। जिन्होने इस बिजली का खंभा लगवाने सहित ट्रांसफार्मर दिलाने में अहम भूमिका निभायी है। जेई अश्वनी सिंह ने बताया कि छह लोग मिले है। जो फर्जी तरीके से कनेक्शन लेकर बिजली का उपयोग कर रहे थे। निरीक्षण टीम में संतोष गुप्ता, नंदकुमार सिंह, रमेश कुशवाहा, धर्मेंद्र राजभर, महेंद्र चौधरी, अकलू राम, कुन्दन कुमार सिंह सहित आदि मौजूद रहे।

मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई वीभत्स एवं अमानवीय घटना कों लेकर काली पट्टी बांधकर सपा ने किया विरोध प्रदर्शन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कैंट विधान सभा अंतर्गत महमूरगंज क्षेत्र में समाजवादी पार्टी के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा के नेतृत्व में मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई वीभत्स एवं अमानवीय घटना का काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया गया। मुख्य रूप से पूर्व विधायक प्रत्याशी पूजा यादव (काशी पुत्री), पूर्व पार्षद प्रत्याशी पार्वती कन्नौजिया, सुशीला देवी, माया, गीता, पुष्पा सहित तमाम महिलाओं ने विरोध प्रदर्शन कर मणिपुर की सरकार को तत्काल बर्खास्त कर राष्ट्रपति शासन लागु करने की मांग रखी` साथ में बलबीर राम, रोशन कन्नौजिया, अर्जुन सोनकर, सोनु, मनोज कन्नौजिया, इमरान सहित तमाम सम्मानित साथीगण मौजूद थे।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं